धनबाद, मंगलवार
21 जुलाई 2026
वर्ष : 03 अंक : 291
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक आज , कई अहम प्रस्तावों पर लग सकती है मुहर

रांची, (एजेंसी) : झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित होगी। बैठक धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन के मंत्रिपरिषद् कक्ष में होगी, जिसमें विभिन्न विभागों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर निर्णय लिए जाने की संभावना है।

मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। विभाग के अनुसार, बैठक में राज्यहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण एजेंडों पर चर्चा होगी और विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी जा सकती है।

राज्यसभा के नवनिर्वाचित 9 सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली, (एजेंसी) : संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को राज्यसभा के 9 निर्वाचित सदस्यों को सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई गयी।

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले सदस्यों में गुजरात से भाजपा के मुकेशभाई जे. राठवा, कर्नाटक से कांग्रेस के पवन खेड़ा, मध्य प्रदेश से भाजपा के महेश केवट, मेघालय से नेशनल पीपुल्स पार्टी के जेम्स पांगसांग कोंगकल संगमा, मिजोरम से खियांगते लललतलुआगकिमा, राजस्थान से भाजपा के सतीश पूनिया और पश्चिम बंगाल से भाजपा के प्रकाश चिक बराइक, सुष्मिता देव एवं सु-खेंदु शेखर राय शामिल हैं।

दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान घायल 65 लोग आरएमएल अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, (एजेंसी) :कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान घायल हुए 65 लोगों को राममनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) में भर्ती कराया गया है। इनमें प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

आरएमएल अस्पताल प्रशासन के अनुसार शाम 7 बजे तक सर्जरी विभाग में कुल 65 मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) लाए गए। इनमें प्रदर्शनकारी और कुछ पुलिसकर्मी शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है, जबकि मामलों की विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

इसके अलावा भूख हड़ताल पर बैठे 10 लोगों का भी एमएलसी बनाया गया है।

डॉक्टरों के मुताबिक सभी अनशनकारियों की हालत फिलहाल स्थिर है और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि सभी मरीजों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और प्रदर्शन में घायल हुए लोगों का अस्पताल आना जारी है।

मानसून सत्र के पहले दिन नीट और राम मंदिर चढ़ावा मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली, (एजेंसी) :संसद के मानसून सत्र के पहले दिन आज लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष ने नीट-यूजी पेपर लीक, अयोध्या के श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर जोरदार हंगामा किया। शोर-शराबे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही देर बाद दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नीट-यूजी पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जंतर-मंतर पर अपनी मांगों को लेकर एकत्र हुए छात्रों की आवाज दबाई जा रही है और उन पर लाठीचार्ज किया गया। उन्होंने इस मामले पर सदन में चर्चा की मांग की।विपक्ष के हंगामे के बीच सभापति ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी।उधर, लोकसभा में भी विपक्षी सांसदों ने नीट-यूजी पेपर लीक, अयोध्या के श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी और अन्य मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग को लेकर नारेबाजी की।

वन क्षेत्रों का टेक्निकल एवं डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करें: हेमन्त सोरेन

रांची (एजेंसी) : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में राज्य के वन संसाधनों के संरक्षण, विकास और वैज्ञानिक प्रबंधन को नई दिशा प्रदान किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य गठन के बाद से अब तक के सभी वन क्षेत्रों का टेक्निकल एवं डिजिटल रिकॉर्ड एक माह के भीतर तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था विकसित हो, जिससे एक क्लिक पर पूरे राज्य के वन क्षेत्रों का अवलोकन कर उनके वास्तविक स्वरूप, संरचना और वर्तमान स्थिति की जानकारी उपलब्ध हो सके, इसके लिए वन क्षेत्रों के डिजिटल मैप की लेयरिंग सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य निर्माण के बाद वन क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन हुए

हैं। कहीं वनों का विस्तार हुआ है तो कहीं इको-टूरिज्म परियोजनाएं और गेस्ट हाउस विकसित हुए हैं। दूसरी ओर, वनों की कटाई, खनन क्षेत्रों के विस्तार तथा वन्यजीव अभयारण्यों एवं राष्ट्रीय उद्यानों की सीमाओं में भी बदलाव देखने को मिले हैं। ऐसे में वन क्षेत्रों का अद्यतन एवं वैज्ञानिक डिजिटल दस्तावेज तैयार करना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि वनों की सुरक्षा और उनका सतत विकास राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान चलाने तथा सूखे एवं अनुपयोगी पेड़ों की वैज्ञानिक तरीके से कटाई की योजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक नए पौधे लगाए जा सकें और हरित आवरण में निरंतर वृद्धि हो।

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निदेशित किया कि वन क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर के माध्यम से बीज गिराकर वन क्षेत्रों के विकास के लिए एक बेहतर कार्य योजना तैयार करने, जंगली हाथियों के हमलों से मृत व्यक्तियों के आश्रितों तथा क्षतिग्रस्त फसल एवं घरों के मुआवजा भुगतान में तत्परता बरतने का निर्देश दिया।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि झारखंड में इको टूरिज्म की असीम संभावनाएं हैं अतएव इस निमित्त एक बेहतर प्लान के साथ आगे बढ़ें। वन विभाग तथा पर्यटन विभाग समन्वय स्थापित कर इको टूरिज्म के विकास को गति प्रदान करें।

पौधारोपण कार्य उपयोगिता आधारित और स्थानीय इको सिस्टम के अनुरूप हो

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने वन विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि पौधरोपण केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि उपयोगिता आधारित और स्थानीय इको सिस्टम के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि ऐसे वृक्षों का चयन किया जाए, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों की आजीविका, पशुओं की जरूरतों और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने वन एवं गैर-वन क्षेत्रों में महुआ, जामुन, करंज, पलाश, कुसुम, बैर तथा तसर उत्पादन के लिए उपयोगी अर्जुन जैसे वृक्षों का बड़े पैमाने पर रोपण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

श्रावणी मेले के लिए 228 डॉक्टरों और 400 पारा स्वास्थ्यकर्मियों की प्रतिनियुक्ति : मंत्री

देवघर, (एजेंसी) : देवघर के श्रावणी मेला-2026 के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने सोमवार को बाबा बैद्यनाथ धाम में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।बैठक में स्वास्थ्य, खाद्य एवं आपूर्ति, आपदा प्रबंधन विभाग तथा जिला प्रशासन की तैयारियों की समीक्षा की गई। मौके पर मंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सेवा में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बाबा बैद्यनाथ धाम आने वाला हर श्रद्धालु भगवान शिव का स्वरूप है और उसकी सुरक्षा, स्वास्थ्य व सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने बताया कि श्रावणी मेले के लिए 228 डॉक्टरों और 400 से अधिक पारा स्वास्थ्यकर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। साथ ही 41 स्वास्थ्य संस्थानों को 24 घंटे संचालित करने और देवघर सदर अस्पताल में 100 और एम्स देवघर में 50 बेड श्रद्धालुओं के लिए आरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं। 105 किलोमीटर लंबे कांवरिया पथ पर मेडिकल कैंप, दवाइयां, ऑक्सीजन, ओआरएस और आपात चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।स्वास्थ्य मंत्री ने खाद्य सुरक्षा पर भी सख्त रुख अपनाते हुए पेड़ा प्रसाद, होटल, ढाबों और स्ट्रीट वेंडरों के खाद्य पदार्थों की नियमित जांच और मिलावटखोरों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, बिजली और विश्राम स्थलों की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।बैठक में विधायक सुरेश पासवान, एनएचएम मिशन निदेशक शशि प्रकाश झा,

अन्नाद्रमुक विधायक सी.वी. शण्मुगम के नेतृत्व में 1,300 से अधिक पदाधिकारियों का सामूहिक इस्तीफा

चेन्नई, (एजेंसी) :तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) में अंदरूनी मतभेद एक बार फिर खुलकर सामने आ गए हैं। पार्टी के पूर्व मंत्री और मयिलम विधानसभा क्षेत्र से विधायक सी.वी. शण्मुगम के नेतृत्व में 1,300 से अधिक पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने सोमवार को अपने संगठनात्मक पदों से सामूहिक इस्तीफा दे दिया। सभी ने चेन्नई स्थित अन्नाद्रमुक मुख्यालय पहुंचकर अपने इस्तीफे कार्यालय प्रबंधक महालिंगम को सौंप दिए।

सी.वी. शण्मुगम अपने समर्थकों के साथ पार्टी महासचिव एडप्पडी के. पलानीस्वामी से मुलाकात करने के लिए मुख्यालय पहुंचे थे। हालांकि, पलानीस्वामी के वहां मौजूद नहीं होने के कारण उन्होंने अपने इस्तीफे कार्यालय प्रबंधक के माध्यम से जमा कराए।बताया जा रहा है कि हाल ही में हुए संगठनात्मक फेरबदल में सी.वी. शण्मुगम को जिला सचिव का पद नहीं दिए जाने से उनका गुट नाराज था। पार्टी के भीतर एडप्पडी के. पलानीस्वामी और सी.वी. शण्मुगम के बीच लंबे समय से मतभेद चल रहे हैं। इस दौरान एस.पी. वेलुमणि के नेतृत्व वाले गुट का भी नेतृत्व से

टकराव रहा था।इसी क्रम में एडप्पडी के. पलानीस्वामी ने तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) के समर्थन में काम करने के आरोप में सी.वी. शण्मुगम समर्थक कई नेताओं और कार्यकताओं को पार्टी से निष्कासित करने का आदेश दिया था। बाद में एस.पी. वेलुमणि के नेतृत्व वाला गुट नेतृत्व के साथ समझौते के बाद दोबारा सक्रिय हो गया और उसे संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं।

पार्टी नेतृत्व ने एस.पी. वेलुमणि और नथम विश्वनाथन को अन्नाद्रमुक का उप महासचिव नियुक्त किया, जबकि सी.वी. शण्मुगम और उनके समर्थकों को कोई प्रमुख संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं मिली। इससे शण्मुगम गुट की नाराजगी और बढ़ गई, जिसके बाद उन्होंने सामूहिक रूप से अपने पदों से इस्तीफा देने का निर्णय लिया।इस्तीफा देने से पहले सी.वी. शण्मुगम और उनके समर्थकों ने चेन्नई स्थित पूर्व मुख्यमंत्री एवं अन्नाद्रमुक की पूर्व महासचिव जे. जयललिता के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सभी मुख्यालय पहुंचे और अपने इस्तीफे सौंप दिए।शण्मुगम समर्थकों का दावा है कि तिंदिवनम, मयिलम, विक्रवंडी और सेंजी सहित विभिन्न क्षेत्रों के 18 से अधिक यूनियन सचिवों के अलावा राज्य, जिला, नगर और अन्य संगठनात्मक इकाइयों के बड़ी संख्या में पदाधिकारियों ने भी अपने पदों से इस्तीफा दिया है।

इस दौरान पार्टी मुख्यालय के बाहर शण्मुगम समर्थकों ने एडप्पडी के. पलानीस्वामी के खिलाफ नारेबाजी भी की। अन्नाद्रमुक को बर्बाद मत करो और यह जिद क्यों? जैसे नारों से मरीना क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया।

ऑल इंडिया न्यूजपेपर्स पब्लिशर्स एंड एडिटर्स एसोसिएशन ने छोटे एवं मझौले अखबारों से जीएसटी हटाने की मांग की

रांची(एजेंसी) :रांची प्रेस क्लब में 'ऑल इंडिया न्यूजपेपर्स पब्लिशर्ष एंड एडिटर्स एसोसियेशन' की सोमवार को बैठक हुई। इसमें झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य अखबारों के संचालन में आ रही व्यावहारिक और वित्तीय समस्याओं पर चर्चा हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए अशोक कुमार ने कहा कि यह पहल सरकार के विरोध में नहीं, बल्कि प्रकाशकों और संपादकों की पीड़ा को सरकार तक पहुंचाने का एक जरिया है। उन्होंने बताया कि समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिनिधिमंडल जल्द ही दिल्ली जाकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, विभागीय मंत्री और उच्च अधिकारियों से मुलाकात करेगा।

मुख्य मुद्दे और सुझाव:

जीएसटी और वित्तीय राहत: बैठक में प्रमुखता से मांग उठाई गई कि 75 हजार से कम प्रसार संख्या वाले अखबारों को जीएसटी और जटिल प्रक्रियाओं से पूर्ण छूट दी जाए। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि अखबार ही एकमात्र ऐसा उत्पाद है जो अपनी लागत से काफी कम कीमत पर बिकता है और पाठकों से जीएसटी नहीं वसूला

जाता।

पूर्व व्यवस्था की बहाली।

बैठक में उपस्थिति प्रेम शंकरण, प्रशांत कुमार और सुमन कुमार सिंह ने बार-बार नियम बदलने पर चिंता जताई और पूर्व की व्यवस्था लागू करने की मांग की। सुझाव दिया गया कि यदि जीएसटी अनिवार्य है, तो इसे न्यूजप्रिंट निमार्ताओं और विज्ञापनदाताओं से 'सोर्स पर' ही वसूला जाए। नित्यानंद शुक्ला, अनुपम शशांक, राज किशोर सिन्हा और विनय कुमार ने जीएसटी को पूरी तरह समाप्त करने की वकालत की।

अनुदान और सरकारी नीतियां:

इकबाल शबा ने ध्यान दिलाया कि पहले सरकार अखबारी कागज पर अनुदान देती थी, जबकि अब जीएसटी वसूला जा रहा है। साथ ही राज्य स्तर पर एमपैनलमेंट की परेशानियों और प्रिंटिंग प्रेस से अनुमोदन की शर्त को हटाने की मांग की गई।

पारदर्शिता और संगठन की मजबूती:

नित्यानंद शुक्ला ने आवेदन अस्वीकृत होने पर उसका कारण सार्वजनिक करने और व्यापक सदस्यता अभियान चलाने की बात कही। संपूणानंद भारती और हिमांशु ने संगठन की एकजुटता पर बल दिया।

संगठनात्मक निर्णय:

संगठन को मजबूत बनाने और आधिकारिक दर्जा देने के लिए इसके विधिवत पंजीयन का निर्णय लिया गया। इसके तहत अशोक कुमार, कमल किशोर, प्रेम शंकरण, रजत कुमार गुप्ता, अनुपम शशांक और एकबाल शबा को शामिल कर एक तदर्थ को-ऑर्डिनेशन कमेटी बनाई गई। सदस्यता फॉर्म तैयार करने की जिम्मेदारी रोहित दत्त को सौंपी गई। अस्थायी कोष संग्रह के लिए संदीप कुमार को अधिकृत किया गया।

इस विषय में पूर्व के घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए कमल किशोर ने कहा कि पिछली बार के दिल्ली दौरे में जो कुछ भी उपलब्धियां हासिल हुई थी, वह इसी एसोसियेशन के शिष्टमंडल की वजह से हो पाया था। इसलिए इसी मुद्दे पर नये सिरे से प्रयास करने की सख्त आवश्यकता है, क्योंकि तेरह मुद्दों पर मंत्री के निर्देश पर कार्रवाई हुई थी। उसके बाद से बिना मंत्री की सहमति के बार बार नियमों में संशोधन किये जा रहे हैं, जिससे छोटे और मझौले अखबारों की परेशानी बढ़ रही है। उन्होंने जीएसटी और प्रेस संबंधी मुद्दों पर भी व्यावहारिक, तकनीकी मुद्दों का विस्तार से उल्लेख करते हुए सदस्यों से एकजुटता बनाये रखते हुए संगठन को और विस्तार देन की अपील की।

बात में तर्क हो तो शांत तरीके से उठाई बात भी बुलंद आवाज बन सकती है: मोदी

नयी दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों ओर के सांसदों से संसद में मिल जुल कर देश के हित में काम करने की अपील करते हुए सोमवार को कहा कि मुद्दों में दम हो और बात में तर्क हो तो शांत तरीके से भी उठायी गयी मांग भी बुलंद आवाज बन सकती है।

श्री मोदी ने सोमवार को मानसून सत्र के पहले दिन कार्यवाही शुरू होने से पहले मीडिया के समक्ष पारंपरिक संबोधन में कहा कि भारत उम्मीदों से भरपूर युवाओं का देश है और युवा चाहते हैं कि हम आगे बढ़े। उन्होंने राष्ट्र की आवाज को संसद में स्वर दिये जाने और देश को दिशा दिये जाने की जरूरत पर बल दते हुए कहा कि तार्किक बात के लिए तूफान खड़े करने की जरूरत नहीं होती है।

उन्होंने संसद में बहुत अनुभवी सदस्यों की उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कहा, 'इएस्पिरेशन (उम्मीदों) से भरे हुए देश के युवाओं की मांग है कि हम आगे बढ़े। आज समय की मांग है कि राष्ट्र निष्ठा से भरे हुए, राष्ट्रभक्ति के लिए जी रहे (लोगों की), आवाज को सदन में उचित मंच मिलता रहे। वे (सदस्य)

अपनी आवाज को बुलंद करें, देश को दिशा दे, और इसलिए मैं आशा करता हूं, और मुझे पक्का विश्वास है, जहां तथ्य होते हैं, जहां तर्क होते हैं, वहां तूफान के लिए जगह नहीं होती है। अगर तर्क मजबूत है, तथ्य मजबूत है, तो शांत चित्त से भी अपनी आवाज को बुलंद बनाया जा सकता है। श्री मोदी ने कहा कि संसद में बहुत अनुभवी सांसद भी है, दल उनका कोई भी हो, लेकिन उनके पास एक लंबा अनुभव है। ऐसे समय में उनके अनुभव की, उनके ज्ञान की संसद को भी जरूरत है, देश को भी जरूरत है। और इसके लिए संसद का चलना, सार्थक चर्चा होना, मिल जुलकर के देश को आगे ले जाने के संकल्प लेना, ये मैं समझता हूं कि बहुत ही समय की मांग है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न क्षेत्रों में युद्धों और तनाव के चलते दुनिया की चिंताओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया के युद्ध के कारण तेल और गैस की जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर भारत जैसे के लिए बड़ा संकट पैदा हुआ। पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, फर्टिलाइजर, केमिकल्स की आपूर्ति में अनेक बाधाएं आयीं। उसके बावजूद भी भारत 7.7 प्रतिशत की दर से आर्थिक वृद्धि दर्ज कर दुनिया सबसे तेजी से बढ़ रही बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि देश उत्साह और उमंग के साथ नई ऊंचाइयों को पार करना चाहता है। देश ने गति पकड़ ली है तथा संसद का सकारात्मक वातावरण उस स्पीड (गति) में नई ऊर्जा भर सकता है। सकारात्मक भाव राष्ट्र के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बहुत आवश्यक होता है।

श्री मोदी ने कहा, ₹मैं आशा करता हूं कि तर्क और तथ्य के साथ सदन की चर्चा को समृद्ध किया जाए। हर आवाज को अवसर मिले, हर विचार को सम्मान मिले, ये संसद की हमारी भूमिका है। मैं सभी सांसदों से बढ़-चढ़कर के इस सदन में हिस्सा लेने के लिए निर्मंत्रित करता हूं।

प्रधानमंत्री ने मानसून सत्र के पहले दिन सांसदों का स्वागत करने के लिए सुबह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ाला की ओर से सुबह सोशल मीडिया पर कहे गये शब्दों के साथ अपना स्वर मिलाया। उन्होंने मानसून की तरह संसद का मानसून सत्र भी सक्रिय और उत्पादक रहने की आशा व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों ही सक्रिय होंगे तो देश का कल्याण होगा।

उन्होंने पिछले एक महीने में हासिल की गई असाधारण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियों की श्रृंखला का उल्लेख करते हुए देश की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा पर अपार गर्व व्यक्त किया। उन्होंने पिछले वर्ष के सत्र से ठीक पहले एक भारतीय नागरिक के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने की घटना को याद करते हुए निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट की हालिया ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने मात्र 28 वर्ष की औसत आयु वाली एक टीम द्वारा देश को निजी अंतरिक्ष अन्वेषण के एक नए युग में सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के अविश्वसनीय तथ्य की प्रशंसा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि ये उपलब्धियां राष्ट्रीय आत्मविश्वास को बहुत बढ़ाती हैं।

खूंटी में हादसा: हाई-टेंशन तार के संपर्क में आया रथ, दो स्कूली छात्रों की मौत, सात घायल

खूंटी, (एजेंसी) :झारखंड के खूंटी जिले के तोरपा थाना क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में दो स्कूली छात्रों की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि सात अन्य छात्र घायल हो गए। हादसा कोटेगसेरा स्थित मौसीबाड़ी के समीप उस समय हुआ, जब लंच ब्रेक के दौरान कुछ छात्र वहां खड़े एक रथ को घुमाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान रथ का ऊपरी हिस्सा 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे पूरा रथ करंट की चपेट में आ गया और वहां मौजूद नौ छात्र झुलस गए।

मृतकों की पहचान चंदन कुमार (16 वर्ष), निवासी पेट्रोल पंप क्षेत्र, तोरपा तथा तारकेश्वर महतो (15 वर्ष), निवासी टुराटोली के रूप में हुई है। दोनों को गंभीर अवस्था में पहले तोरपा रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, खूंटी रेफर किया गया। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

घायलों में अरमान आलम (16 वर्ष, तोरपा), सूजय लुहरा (17 वर्ष, सैयसेरा), नीलय एक्का, पंकज राम (16 वर्ष), रुपेश कुमार, गिरिराज यादव तथा कमलेश गोप शामिल हैं।

सभी घायलों का इलाज तोरपा रेफरल अस्पताल में चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार सभी की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विद्यालय में दोपहर का लंच ब्रेक चल रहा था। इसी दौरान कुछ छात्र स्कूल परिसर से निकलकर मौसीबाड़ी के समीप पहुंचे, जहां एक रथ खड़ा था। छात्र रथ को घुमाने अथवा आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे थे। तभी उसका ऊपरी हिस्सा ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन से छू गया। इसके बाद रथ में तेज करंट प्रवाहित हो गया और उसके संपर्क में आए सभी छात्र उसकी चपेट में आ गए।घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे की सूचना मिलते ही तोरपा रेफरल अस्पताल में परिजनों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। मृत छात्रों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था, जबकि अस्पताल परिसर में शोक और गम का माहौल छा गया।सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि छात्र लंच ब्रेक के दौरान स्वयं मौसीबाड़ी पहुंचे थे या उन्हें रथ खींचने अथवा धक्का देने के लिए किसी ने बुलाया था। इसके साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि रथ हाईटेंशन बिजली लाइन के नीचे कैसे पहुंचा और इस हादसे में किसी प्रकार की लापरवाही तो नहीं बरती गई।पुलिस ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं जिला प्रशासन ने घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ पूरे घटनाक्रम की निगरानी करने की बात कही है।

संक्षिप्त खबरें

कोई भी फाइल अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहे, जरूरत पड़ी तो मुख्यालय स्तर पर भी होगी पहल :उपायुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू के जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता उपस्थित रहे। कई अंचलाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए।बैठक के दौरान उपायुक्त ने सरकारी परियोजनाओं एवं जनहित से जुड़े कार्यों के लिए आवश्यक भूमि उपलब्धता की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों से प्रत्येक प्रस्ताव की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर फाइलों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी मामले में मुख्यालय स्तर पर समन्वय या हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी तो जिला प्रशासन स्वयं पहल करेगा, लेकिन विकास कार्यों में विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा।समीक्षा के क्रम में न्यायालय कर्मियों के आवास निर्माण, साइबर थाना की स्थापना, पांकी क्षेत्र में पावर ग्रिड निर्माण सहित अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराने से जुड़े मामलों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के माध्यम से सभी लंबित प्रक्रियाओं का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के अभाव में लंबित मामलों की भी समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने कहा कि यदि किसी योजना या परियोजना का कार्य किसी अन्य विभाग के स्तर पर अटका हुआ है तो संबंधित अधिकारी आपसी संवाद स्थापित कर उसका तत्काल समाधान निकालें। उन्होंने कई मामलों में बैठक के दौरान ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।उपायुक्त श्री शेखावत ने सभी विभागों को विकास योजनाओं, आधारभूत संरचना परियोजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यों के क्रियान्वयन में गति लाने का निर्देश देते हुए कहा कि बेहतर समन्वय और समयबद्ध कार्य संस्कृति के माध्यम से ही आम नागरिकों तक योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है।

केरल में मृत मजदूर के परिजनों से मिले झामुमो जिलाध्यक्ष, पीड़ित परिवार को खाद्य सामग्री सौंपी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गोड्डा : केरल में काम के दौरान पोड़ैयाहाट प्रखंड के कारूडीह गांव निवासी मजदूर राजीव हांसदा की मौत हो गई थी। इस दुखद घटना के बाद सोमवार को झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रेम नंदन मंडल पीड़ित परिजनों से मिलने उनके आवास पहुंचे।जिलाध्यक्ष ने मृतक के परिजनों को सांत्वना दी और तत्काल राहत के रूप में चावल, दाल, आलू सहित अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में पार्टी परिवार के साथ खड़ी है।इस दौरान प्रेम नंदन मंडल ने फोन पर श्रम विभाग के अधिकारियों से बातचीत की और मृतक के आश्रितों को श्रम विभाग से 50 हजार रुपये की सहायता राशि दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने अधिकारियों से प्रक्रिया जल्द पूरी करने की मांग भी की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मनरेगा योजना का नाम बदलने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। काम के अभाव में जिले के युवा मजबूरी में दूसरे राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं। केरल जैसी दूर जगहों पर जाकर मजदूरी करने के दौरान इस तरह की घटनाएं बढ़ रही हैं।इस मौके पर झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष अवध किशोर हांसदा, केंद्रीय सदस्य पुष्पेंद्र टुडू, श्याम हेम्ब्रम, गोड्डा प्रखंड अध्यक्ष यूसुफ अंसारी, प्रेमलाल ठाकुर सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। नेताओं ने परिजनों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

बड़कागांव पुलिस ने 5 वारंटियों को भेजी जेल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : बड़कागांव थाना क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण करने को लेकर थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में छापामारी अभियान चलाया गया।इस दौरान बड़कागांव पुलिस को बड़ी सफलता मिली।गैर जमानत वारंटी के पांच वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दी।जिनमें से देवा साव,पिता स्वर्गीय लंगर साव,लगनू गंझू, पिता चुटी गंझू, कोल्हा गंझू, पिता सोमर गंझू, चुटी गंझू, पिता स्वर्गीय सोमर गंझू,लाटूंग गंझू, पिता स्व नागेश्वर गंझू है। थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि हजारीबाग एसपी के निदेर्शानुसार बड़कागांव थाना क्षेत्र में छापामारी अभियान इसलिए चलाया जा रहा है कि क्षेत्र में शांति स्थापित हो,अपराध पर नियंत्रण हो।उन्होंने कहा कि गैर कानूनी कार्यों पर भी बड़कागांव पुलिस द्वारा नजर रखी जा रही है।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार व केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर युवा राजद का सत्याग्रह

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक और लचर शिक्षा व्यवस्था के विरोध में युवा राष्ट्रीय जनता दल ने बापू वाटिका, मोरहाबादी में एक दिवसीय सत्याग्रह आंदोलन किया। युवा राजद रांची महानगर के अध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता और प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार यादव के निदेर्शानुसार आयोजित यह सत्याग्रह दिल्ली में समाजसेवी सोनम वांगचुक के आमरण अनशन के समर्थन में भी था।सत्याग्रह में शामिल वक्ताओं ने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक से देश की परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता खत्म हो गयी है. लाखों छात्र-छात्राओं की मेहनत पर पानी फिर रहा है, जिससे निराश होकर कई अभ्यर्थी आत्महत्या जैसा कदम उठा रहे हैं।सरकार युवाओं के भविष्य की रक्षा करने में पूरी तरह विफल रही है।युवा राजद ने केंद्र सरकार से मांग की कि पेपर लीक की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी सजा दी जाये और परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित व पारदर्शी बनाया जाये।साथ ही नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तत्काल इस्तीफा दें।कार्यक्रम में श्यामदास सिंह, कमलेश यादव, शौकत अंसारी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

अंतरराज्यीय लूटेरा गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : पुलिस ने चंदवारा थाना क्षेत्र के उरवां स्थित पेट्रोल पंप पर बाइक सवार व्यवसायी से गत दिनों हुई लूट कांड का खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय लूट गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यही नहीं पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए सभी आभूषण, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मास्टर-की सहित अन्य सामान भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में राजू दास 35 वर्ष पिता स्व. सकुटा दास निवासी रघुनाथपुर थाना धमनाधर जिला भद्रक, धनराज प्रधान 21 वर्ष पिता महेश प्रधान जिला जाजपुर व टिंक्कल दास 32 वर्ष पति राजू दास निवासी रघुनाथपुर थाना धमनाधर जिलाभद्रक (उड़ीसा) शामिल हैं। गिरफ्तार राजू व टिंक्वल पति-पत्नी हैं, जबकि धनराज इनका भतीजा है. पुलिस के अनुसार महिला घटना से पहले पूरा रेकी करती थी इसके बाद दोनों आरोपियों के द्वारा घटना को अंजाम दिया जाता था। सोमवार को पूरे मामले की जानकारी देते हुए

पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष ने बताया कि कुछ दिन पूर्व चंदवारा थाना क्षेत्र के उरवां पेट्रोल पंप के पास पेट्रोल भरवाने पहुंचे चंदवारा निवासी अशोक सोनी की मोटरसाइकिल की डिक्की से आभूषणों से भरा बैग अपराधियों ने उड़ा लिया था। मामले में चंदवारा थाना कांड संख्या 50/26 दर्ज कर चंदवारा थाना प्रभारी शशिभूषण कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया. टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण, मानवीय सूचना और वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर अपराधियों की पहचान की।जांच में पता चला कि घटना में शामिल आरोपी उड़ीसा के जाजपुर जिले में छिपे हुए हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने कोराई थाना क्षेत्र (जाजपुर) में छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।वहीं गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर गिरोह की महिला सदस्य को कोडरमा रेलवे स्टेशन के समीप से गिरफ्तार किया गया।पूछताछ के आधार पर पुलिस ने लूटे गए सभी आभूषणों की बरामदगी कर ली।पुलिस ने आरोपियों के पास घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल, मोटरसाइकिल की डिक्की खोलने में इस्तेमाल किया जाने वाला टी-आकार का लोहे का मास्टर-की, दो मोबाइल फोन, ज्वेलरी मापक यंत्र तथा आभूषणों से भरा बैग बरामद किया है. बरामद आभूषणों में 16 जोड़ी पायल, 7 चेन, 11 बिछिया, 13 अंगूठियां, 4 बच्चों के कंगन, 3 चूड़ीनुमा कंगन, विभिन्न प्रकार के 28 ताबीज, 11 लॉकेट, 22 नाक के आभूषण, 4 नथिया सहित बड़ी मात्रा में चांदी जैसे दिखने वाले आभूषण शामिल है।एसपी के अनुसार यह गिरोह अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय है।छापामारी दल में चंदवारा थाना प्रभारी के अलावा सहायक अवर निरीक्षक राजीव कुमार व अन्य शामिल थे।एसपी ने बताया कि जांच के क्रम में यह बात सामने आई कि उड़ीसा के छह जिलों भद्रक, जाजपुर सहित अन्य जगहों का गिरोह पूरे देश भर में घुम-घुम कर लूट-चोरी की घटनाओं को अंजाम देता है। पहले यह गिरोह सामान आदि बेचने की आड़ में अपने टारगेट की रेकी करता है और फिर पुरुष सदस्य घटना को अंजाम देते हैं। चंदवारा में हुई घटना के पहले छह जुलाई को महिला टिंक्वल ट्रेन से आई थी और टारगेट तय करने के बाद अपने पति व भतीजा को बुलाया। इसके बाद दोनों सदस्य पल्सर बाइक से यहां पहुंचे और घटना को अंजाम दिया।यह गिरोह बाइक की डिक्की खोलने के लिए मास्टर की अपने साथ रखता है।जाजपुर में छापामारी के दौरान यह पता चला कि गिरोह के सदस्यों को पकड़ने के लिए दिल्ली, मुंबई सहित अन्य जगहों की पुलिस यहां छापामीर कर चुकी है, पर मजबूत तकनीकि साक्ष्य होने की वजह से कोडरमा पुलिस आरोपियों को पकड़ने में सफल रही।एसपी के अनुसार चंदवारा में हुई घटना के बाद आरोपी लगातार पुलिस से बचने का प्रयास कर रहे थे, जबकि आरोपी महिला लौट कर दोबारा कोडरमा पहुंच गई थी।आरोपियों के पकड़े जाने के बाद पता चला कि महिला कोडरमा जंक्शन पर है। ऐसे में महिला को कोडरमा स्टेशन से पकड़ा गया।वह ट्रेन पकड़ उड़ीसा भागने वाली थी।

श्रावणी मेला:श्रद्धालुओं की सेवा में कोई कमी नहीं रहेगी, जरूरत पड़ी तो देवघर में ही डेरा डालूंगा : डॉ इरफान अंसारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने देवघर सर्किट हाउस में जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने श्रावणी मेला की तैयारियों का विस्तृत जायजा लेते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली, साफ-सफाई, सुरक्षा समेत किसी भी प्रकार की परेशानी श्रद्धालुओं को नहीं होनी चाहिए। सभी विभाग अपनी जिम्मेदारी पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ निभाएं।स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि श्रावणी मेला के दौरान मेला क्षेत्र और प्रमुख स्थलों पर करीब 40 स्वास्थ्य शिविर स्थापित किये जा रहे हैं। इन शिविरों में 228 चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति की गयी है।इसके अलावा पर्याप्त संख्या में स्वास्थ्यकर्मियों की भी तैनाती रहेगी।सभी शिविरों में आवश्यक दवाइयां, सलाइन, प्राथमिक उपचार सामग्री तथा जरूरत के अनुसार बेड उपलब्ध रहेंगे। गंभीर मरीजों के इलाज के लिए सदर अस्पताल में 100 अतिरिक्त बेड तथा एम्स देवघर में 50 बेड आरक्षित रखे गये हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टोटो एंबुलेंस, बाइक एंबुलेंस समेत अन्य आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की भी व्यवस्था की गयी है।डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि सरकार पूरे श्रावणी मेला अवधि के दौरान व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखेगा। यदि मेला संचालन में किसी प्रकार की समस्या आती है तो वह स्वयं देवघर में रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे।उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने चाईबासा की घटना के बाद रक्त उपलब्धता के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी।उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के निर्देश के आलोक में सरकार न्यायालय से आदेश पर पुनर्विचार का आग्रह करेगी, ताकि जरूरतमंद मरीजों को रक्त मिलने में कठिनाई न हो।साथ ही राज्य सरकार एक टोल फ्री नंबर जारी करेगी, जिसके माध्यम से राज्य के किसी भी जिले में जरूरतमंद मरीजों को आवश्यकतानुसार रक्त उपलब्ध कराया जाएगा।बैठक में देवघर विधायक सुरेश पासवान, उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया, एसपी प्रवीण पुष्कर, डीडीसी पियूष कुमार सिन्हा, निदेशक प्रमुख डॉ सिद्धार्थ सान्याल, आरडीडीएच डॉ पीके शर्मा, सिविल सर्जन डॉ रमेश कुमार, डॉ संचयन, डॉ सुषमा वर्मा, डॉ शरद कुमार समेत जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

हाई टेंशन तार के संपर्क में आया रथ,दो छात्रों की मौत,सात घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : तोरपा थाना क्षेत्र के कोटेंगसेरा मौसीबाड़ी के पास सोमवार को बिजली करंट लगने से दो स्कूली छात्रों की मौत हो गई, जबकि अन्य सात छात्र घायल हो गए।मृतकों में पेट्रोल पम्प तोरपा निवासी 16 वर्षीय चंदन कुमार और टुराटोली निवासी 15 वर्षीय तीजेश्वर महतो शामिल हैं। घायलों में तोरपा के अरमान आलम सैयसेरा के सूजय लोहरा, तोरपा के नीलय एक्का, पंजक राम, रुपेश कुमार, गिरिरराज यादव और कमलेश गोप शामिल हैं। शामिल सभी श्री हरि प्लस टू स्कूल के विद्यार्थी हैं और सभी 15 से 17 वर्ष के किशोर हैं। सभी घायल छात्रों को स्थानीय लोगों की मदद से प्राथमिक उपचार के लिए रेफरल अस्पताल लाया गया बाद में प्राथमिक उपचार के बाद खूंटी सदर अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों की देखरेख में इलाज चल रहा है और सभी घायलों की स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।गंभीर रूप से घायल चंदन कुमार और तारकेश्वर महतो को सदर अस्पताल खूंटी लाया गया जहां जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।जानकारी के अनुसार दोपहर में छात्रों का लंच ब्रेक था। कुछ बच्चे स्कूल से दूर मौसीबाड़ी के पास खड़े रथ को घुमाने लगे। उसी दौरान रथ का ऊपरी हिस्सा ग्यारह हजार बोल्ट के विद्युत तार के संपर्क में आ गया और नौ छात्र बिजली करंट की चपेट में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल में लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बच्चों के परिजनों के विलाप से वहां मौजूद सभी की आंखें नम हो गई।

ट्रैफिक पुलिस को यूथ विंग ने दिया रेनकोट, हजारीबाग एसपी ने युवाओं की टोली का बढ़ाया हौसला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : हजारीबाग के युवाओं की टोली ने मानसून को देखते हुए हजारीबाग ट्रैफिक पुलिस को बरसाती उपहार स्वरूप प्रदान किया है लगभग 60 ट्रैफिक के जवानों को उपहार दिया गया है हजारीबाग पुलिस अधीक्षक ने इनके प्रयास की सराहना भी की है।हजारीबाग के युवाओं की टोली जिसे यूथ विंग का नाम दिया गया है। वे इन दिनों कई सामाजिक कार्यों में जुटी हुई है।इसी कड़ी में यूथ विंग के सदस्यों ने ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को रेनकोट उपहार स्वरूप दिया है।कंट्रोल रूम में आयोजित एक कार्यक्रम में पहले चरण में 60 से अधिक ट्रैफिक पुलिस जवानों को रेनकोट दिया गया। यूथ विंग के सदस्यों का कहना है कि ट्रैफिक पुलिस के बदौलत शहर में यातायात व्यवस्था दुरुस्त हो रही है। विकट परिस्थिति में भी अपनी सेवा देते हैं। मानसून को देखते हुए छोटा सा प्रयास किया गया है. सदस्यों को कहना है कि आपस में सहयोग राशि से ही कार्यक्रम चल रहा है। रेनकोट लेने वाली यातायात कर्मी भी बताती है की बरसात के समय में काफी परेशानी होती है। पिछले दिनों हजारीबाग में झमाझम बारिश हुई थी। ऐसे में ड्यूटी करना चुनौती भरा था।यूथ विंग की ओर से बेहतर काम किया गया।हजारीबाग एसपी अमन कुमार ने यूथ विंग काम का स्वागत किया है।इन्हें कहा कि समाज के प्रति संवेदनशील होना यह सजग समाज को दशार्ता है।युवाओं की टोली ने ट्रैफिक जवान को रेनकोट उपहार स्वरूप दिया है। इन्होंने इनका स्वागत किया है ट्रैफिक पुलिस की जिम्मेदारी बेहद महत्व रखता है जो विकट परिस्थिति में भी अपनी सेवा देते हैं।उनके प्रति संवेदनशीलता दिखाने यह स्वागत योग्य है।हजारीबाग से यह बेहतर तस्वीर सामने आई है।जहां समाज के लोग अपनी जिम्मेवारी को निभाते हुए दिख रहे हैं।

मशरूम खाने से सात लोग बीमार, सदर अस्पताल में भर्ती

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : जिले के गांडेय थाना क्षेत्र के झरखट्टा गांव में मशरूम खाने से एक ही परिवार के सात लोग गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। सभी को इलाज के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उन्हें सलाइन चढ़ाया जा रहा है।जानकारी के अनुसार, बीमार लोगों में नेहा कुमारी (19), टुकटुक कुमारी (3), कृष्णा गोस्वामी, दशरथ गोस्वामी, गीता देवी और विशाल गोस्वामी शामिल हैं। परिवार के लोगों ने बताया कि पड़ोस से मिले मशरूम को सोमवार की सुबह करीब 9 बजे बनाकर खाया गया था। मशरूम खाने के महज पांच मिनट बाद ही सभी को उल्टियां होने लगीं और तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजन उन्हें लेकर तुरंत अस्पताल पहुंचे।घटना की जानकारी परिवार के अशोक गोस्वामी ने दी। फिलहाल सभी मरीजों का इलाज जारी है और उनकी हालत पर डॉ के देखरेख में है सभी खतरा से बाहर है बताया जा रहा है।

सीईओ ने झारखण्ड जनाधिकार महासभा द्वारा तार्किक विसंगति संबंधी दुष्प्रचार का किया खंडन, कहा, किसी प्रकार के डेटा का संकलन संभव नहीं

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में वर्तमान में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का इन्यूमरेशन फेज चल रहा है। इस दौरान मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म भरने, विगत विशेष गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से मैपिंग करने, भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करने एवं इन्यूमरेशन फॉर्म के डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। इन्यूमरेशन फेज में यह बता पाना कि कितने प्रतिशत मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म में तार्किक विसंगतियां प्राप्त हुई है, संभव नहीं है। उन्होंने झारखंड जनाधिकार महासभा द्वारा गलत उद्देश्य एवं मतदाताओं को दिग्भ्रमित करने हेतु सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाई जा रही सूचना झ झारखंड के आदिवासी क्षेत्र में एक-एक बूथ में 30% मतदाताओं के नाम एसआईआर की लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी सूची में दिख रहे हैं। इसके अलावा हर बूथ में कई मतदाता हैं जिनके पूर्वजों का नाम 2003 सूची में नहीं है। ऐसे में लाखों आदिवासी नोटिस के शिकार और परेशान होंगे और नाम कट सकता है। झ बिल्कुल असत्य एवं वास्तविकता से परे है। उन्होंने मतदाता सूची के गहन पुनर-

ीक्षण से संबंधित सभी स्टेकहोल्डर से अनुरोध किया है कि इस तरह के मिसइनफॉरमेशन को किसी प्रकार से बढ़ावा न दें। वर्तमान मतदाता सूची के प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक को एसआईआर के माध्यम से नए मतदाता सूची में जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रम में तार्किक विसंगतियों की पहचान एवं निराकरण मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने का एक चरण है। इस प्रक्रिया में मतदाताओं के उम्र एवं संबंध जैसे नाम, पिता, पति, पत्नी, माता आदि में लिपिकीय त्रुटियों को पहचानकर, उन्हें मतदाताओं के माध्यम से सत्यापित करते हुए दूर किया जाएगा। इस हेतु संबंधित मतदाता से आवश्यकता पड़ने पर उनके ईआरओ/एईआरओ द्वारा नोटिस जारी करते हुए, आवश्यक दस्तावेज लेकर इसका सत्यापन कर विसंगतियों को दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा, कि तार्किक विसंगति को दूर करने का मुख्य उद्देश्य है, कि एसआईआर के उपरांत प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में मतदाताओं का विवरण शुद्धअशुद्ध एवं त्रुटिरहित आ सके।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि झारखंड के वैसे आदिम जनजाति एवं जनजाति समुदाय के मतदाता जिनकी जानकारी में कोई तार्किक विसंगति आने पर उनका या जिनकी मैपिंग नहीं हुई है उन्हें, अंचल कार्यालयों में उपलब्ध खतियान अथवा वंशावली के आधार पर एईआरओ, ईआरओ एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी मतदाता सूची में पंजीकरण करवाना सुनिश्चित करेंगे। झारखण्ड में आदिम जनजाति एवं जनजाति का विवरण, खतियान एवं अन्य अभिलेखों के माध्यम से एईआरओ, ईआरओ एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालयवम उपलब्ध है। अतः इस तरह के भ्रामक एवं दुष्प्रचार के बहकावे में आने की कोई आवश्यकता नहीं है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची में हर पात्र भारतीय नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित हो, इस हेतु चुनाव आयोग कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि राज्य में वृद्ध, दिव्यांग एवं अन्य दूरस्थ आदि श्रेणी के मतदाताओं की सहायता के लिए विशेष वोलेंटियर्स प्रत्येक मतदान केंद्र पर नियुक्त किए गए हैं। ये वोलेंटियर्स इन मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म भरने में मदद कर रहे हैं और मतदाता सूची के ड्राफ्ट पब्लिकेशन के बाद यदि आवश्यकता पड़ी, तो जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने में भी समन्वय एवं सहयोग करेंगे। के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए इस सूची से एएसडीडी सूची को अलग कर इसे हटाने का कार्य किया जाता है। इस हेतु बीएलओ एवं बीएलए-2 द्वारा इन्यूमरेशन फेज में 2 बार बैठक आयोजित कर अपने मतदान केंद्रों के वर्तमान मतदाता सूची से एएसडीडी सूची को बनाने का कार्य किया जा रहा है। इस हेतु बीएलओ द्वारा घर-घर भ्रमण के दौरान इसका सत्यापन किया गया साथ ही चुनाव पाठशाला में इसे पढ़कर भी सुनाया गया है। एएसडीडी सूची को अंतिम स्वरूप देने हेतु 22 जुलाई को बीएलओ एवं बीएलए-2 की बैठक के साथ-साथ चुनाव पाठशाला का भी आयोजन किया गया है । इस अवसर पर मतदाताओं से अनुरोध है कि वे अवश्य इसमें शामिल हों। साथ ही सभी मान्यता प्राप्त राजनीति दलों से अनुरोध है कि वे अपन बीएलए-2 की शत प्रतिशत उपस्थिति मतदान केंद्र पर सुनिश्चित करवायेंगे एवं एएसडीडी सूची को भलीभांति जांच कर इसे सत्यापित भी करेंगे।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि एक त्रुटिरहित और शुद्ध मतदाता सूची ही मजबूत लोकतंत्र का आधार है। राज्य में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने एसआईआर के कार्य में जुटे सभी मतदाताओं, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए-2, बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप और वोलेंटियर्स की भूमिका की सराहना की है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण एक सहभागी प्रक्रिया है, इससे जुड़े सभी स्टेकहोल्डर का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक जिनका वर्तमान मतदाता सूची में नाम है,इका पंजीकरण मतदाता सूची में सुनिश्चित किया जाएगा लेकिन सभी स्टेकहोल्डर यह शत प्रतिशत सुनिश्चित करेंगे कि कोई अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन से कार्यकारिणी सदस्य पद से हटाए जाने पर मेयर समर्थन में खोला मोर्चा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन (डीसीए) की कार्यकारिणी समिति से सदस्य पद से हटाए जाने की खबर के बाद संबंधित सदस्य ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अपना पक्ष रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना, सहमति अथवा त्यागपत्र के कार्यकारिणी सदस्य पद से हटा दिया गया और उनके स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति की नियुक्ति कर दी गई।प्रेस वार्ता के दौरान संतोष सिंह ने कहा कि 20 जुलाई को विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से उन्हें जानकारी मिली कि उन्हें कार्यकारिणी समिति के सदस्य पद से हटा दिया गया है। इस खबर से उन्हें गहरा दुख और निराशा हुई है।उन्होंने बताया कि उनका निर्वाचन वर्ष 2024 से 2027 के कार्यकाल के लिए तत्कालीन सहायक निर्वाचन पदाधिकारी एवं निर्वाचन पदाधिकारी की देखरेख में विधिवत चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से हुआ था। ऐसे में बिना किसी आधिकारिक सूचना या कारण बताए उन्हें पद से हटाया जाना आश्चर्यजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने यह भी कहा कि उनके आचरण पर लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह निराधार, तथ्यहीन और असत्य हैं। इस संबंध में उन्हें न तो कोई कारण बताओ नोटिस दिया गया और न ही अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान किया गया।अपने बयान में उन्होंने धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष से अपील की कि एसोसिएशन की गरिमा, संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करते हुए कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि डीसीए क्रिकेट के विकास के लिए समर्पित संस्था बनी रहे और इसे राजनीतिक अखाड़ा बनने से बचाया जाए।प्रेस वार्ता के अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच होगी तथा सत्य सभी के सामने आएगा।

धनबाद के समग्र विकास को लेकर 22 जुलाई को महाधरना, सात विधायक और दो सांसद होंगे शामिल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद के समग्र विकास को लेकर आगामी 22 जुलाई को शहर में एक बड़ा धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस धरना में विभिन्न राजनीतिक दलों के सात विधायक और दो सांसद के शामिल होने की संभावना जताई गई है। धरना के माध्यम से धनबाद के लिए नई रेल सेवाएं, एयरपोर्ट, एम्स की तर्ज पर सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर सहित कई महत्वपूर्ण मांगों को केंद्र सरकार के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा। आयोजकों ने धनबाद की जनता से बड़ी संख्या में धरना में शामिल होकर जिले के विकास की आवाज बुलंद करने की अपील की है। 22 जुलाई को प्रस्तावित इस महाधरना में धनबाद से रोजाना के लिए मुंबई के लिए सीधी रेल सेवा शुरू करने की मांग प्रमुख रूप से उठेगी, ताकि कैंसर सहित गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। इसके अलावा धनबाद-कटिहार, धनबाद-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस और धनबाद से सिलीगुड़ी के लिए नई रेल सेवा शुरू करने की भी मांग की जाएगी।धरना के दौरान तोपचांची के पास करीब 1300 एकड़ सरकारी भूमि पर एयरपोर्ट निर्माण का मुद्दा भी उठाया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि यह स्थान एयरपोर्ट के लिए उपयुक्त है और यहां से बोकारो, पारसनाथ और गिरिडीह की दूरी महज 30 से 40 किलोमीटर है। इसके साथ ही धनबाद सेंट्रल अस्पताल को एम्स की तर्ज पर सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल बनाने और जिले में अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर स्थापित करने की मांग भी प्रमुखता से रखी जाएगी। बताया गया कि इन मांगों से संबंधित प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जा चुका है।आयोजकों के अनुसार इस धरना में माले विधायक अरूप चटर्जी और चंद्रदेव महतो, भाजपा विधायक राज सिन्हा और रागिनी सिंह, जेएलकेएम के जयराम महतो, धनबाद सांसद ढुल्लू महतो तथा गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजकों ने इसे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर धनबाद के विकास की लड़ाई बताते हुए जिले के सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

कतरास में जलजमाव पर फूटा जनाक्रोश, जलमग्न सड़क पर धरने पर बैठे विधायक शत्रुघ्न महतो

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद के कतरास में बारिश के बाद जलजमाव की गंभीर समस्या को लेकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। पचगढ़ी बाजार की मुख्य सड़क पूरी तरह पानी में डूब गई है। दुकानों और घरों में पानी घुसने से व्यापारियों और स्थानीय लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सोमवार को हालात का जायजा लेने पहुंचे बाघमारा के भाजपा विधायक शत्रुघ्न महतो स्थानीय लोगों के साथ जलमग्न सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। विधायक ने नगर निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए अधिकारियों को मौके से ही फोन पर फटकार लगाई और तत्काल समाधान की मांग की।लगातार हो रही बारिश ने कतरास नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-3 स्थित पचगढ़ी बाजार की बदहाल व्यवस्था की पोल खोल दी है। पूरी सड़क घुटनों तक पानी में डूबी हुई है। जलजमाव के कारण लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो गया है, जबकि कई दुकानों और घरों में भी बारिश का पानी घुस गया है। स्थानीय लोग बाल्टियों से पानी निकालने को मजबूर हैं और व्यापारियों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।जलजमाव की सूचना मिलने पर बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो मौके पर पहुंचे और हालात का निरीक्षण किया। इसके बाद वे स्थानीय लोगों और व्यापारियों के साथ जलमग्न सड़क पर धरने पर बैठ गए। विधायक ने आरोप लगाया कि एक वर्ष पहले जलनिकासी की समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया था और टेंडर भी स्वीकृत हुआ था, लेकिन काम सही तरीके से नहीं हुआ। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को फोन कर तत्काल राहत कार्य शुरू करने और स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की।धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम और संबंधित विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। विधायक ने चेतावनी दी कि जब तक जलजमाव की समस्या के समाधान के लिए ठोस कार्रवाई शुरू नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बारिश के मौसम में यही स्थिति बनती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

टुंडी, बाघमारा में शत प्रतिशत ईएफ का डिस्ट्रीब्यूशन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में टुंडी एवं बाघमारा विधानसभा में 100% ईएफ का डिस्ट्रीब्यूशन हो गया है। वहीं टुंडी व बाघमारा सहित धनबाद जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में 19 लाख 98 हजार 317 ईएफ का वितरण किया गया है। जबकि 12 लाख 59 हजार 373 (60%) ईएफ का संध्या 5 बजे तक डिजिटाइजेशन हो गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि टुंडी विधानसभा में 3,24,714 तथा बाघमारा विधानसभा में 3,01,443 (100%) ईएफ का वितरण हो गया है। वहीं सिंदरी विधानसभा में 364977, निरसा में 331489, धनबाद में 424782 तथा झरिया विधानसभा में 250912 ईएफ का वितरण हो गया है। ईएफ डिजिटाइजेशन के बारे में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि सभी 6 विधानसभा में अब तक 60% डिजिटाइजेशन पूरा हो गया है। जिसमें निरसा में 237804, सिंदरी में 256578, टुंडी में 225998, बाघमारा में 192660, धनबाद में 206898 तथा झरिया विधानसभा में 139435 ईएफ का डिजिटाइजेशन पूरा हो गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि ईएफ वितरण के बाद अब उसके डिजिटाइजेशन पर पूरा ध्यान केन्द्रित है। उन्होंने जिले के सभी मतदाताओं से गणना प्रपत्र सही ढंग से भरकर समय पर बीएलओ को पास जमा कराने तथा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है।

धनबाद में एयरपोर्ट सहित विकास की अन्य योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए 22 के महा धरना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद में एयरपोर्ट सहित अन्य सुविधाओं की मांग के लिए 22 जुलाई को महाधरना होगा। इसमें सात विधायक तथा धनबाद व गिरिडीह के सांसद शामिल होंगे। धरना प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य धनबाद के विकास के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना है। उक्त जानकारी विधायक अरूप चटर्जी ने संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने कहा कि धनबाद के लिए नई रेल सेवाएं, एयरपोर्ट, एम्स की तर्ज पर सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर सहित कई महत्वपूर्ण मांगों को सरकार के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा। आयोजकों ने धनबाद की जनता से बड़ी संख्या में धरना में शामिल होकर जिले के विकास की आवाज बुलंद करने की अपील की है। 22 जुलाई को प्रस्तावित इस महाधरना में धनबाद से रोजाना के लिए मुंबई के लिए सीधी रेल सेवा शुरू करने की मांग प्रमुख रूप से उठेगी, ताकि कैंसर

सहित गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। इसके अलावा धनबाद-कटिहार, धनबादवारा णसी वंदे भारत एक्सप्रेस और धनबाद से सिलीगुड़ी के लिए नई रेल सेवा शुरू करने की भी मांग की जाएगी। धरना के दौरान तोपचांची के पास करीब 1300 एकड़ सरकारी भूमि पर एयरपोर्ट निर्माण का मुद्दा भी उठाया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि यह स्थान एयरपोर्ट के लिए उपयुक्त है और यहां से बोकारो, पारसनाथ और गिरिडीह की दूरी महज 30 से 40 किलोमीटर है। इसके साथ ही धनबाद सेंट्रल अस्पताल को एम्स की तर्ज पर सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल बनाने और जिले में अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर स्थापित करने की मांग भी प्रमुखता से रखी जाएगी। बताया गया कि इन मांगों से संबंधित प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जा चुका है। आयोजकों के अनुसार इस धरना में माले विधायक अरूप चटर्जी और चंद्रदेव महतो, भाजपा विधायक राज सिन्हा और रागिनी सिंह, जेएलकेएम के जयराम महतो, धनबाद सांसद ढुल्लू महतो तथा गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजकों ने इसे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर धनबाद के विकास की लड़ाई बताते हुए जिले के सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

केजीबीवी गोविंदपुर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय गोविंदपुर में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' और 'साइबर सुरक्षा' विषय पर एक दिवसीय जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की 120 छात्राओं ने भाग लिया। छात्राओं को महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं और कानूनों के प्रति जागरूक किया गया। इसमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना,मुख्यमंत्री कन्यादान योजना तथा कन्या भ्रूण हत्या को रोकने और लिंग चयन के खिलाफ बने कानून के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही छात्राओं को साइबर सुरक्षा के बुनियादी गुर सिखाए गए, ताकि वे ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया के खतरों और साइबर बुलिंग से खुद को सुरक्षित रख सकें। जागरूकता सत्र को और अधिक प्रभावी व रोचक बनाने के लिए विद्यालय में विभिन्न संवादात्मक सत्रों का आयोजन किया गया। इसके तहत छात्राओं के बीच भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला (ड्राइंग) प्रतियोगिता और क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा और ज्ञान का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में, तीनों प्रतियोगिताओं (भाषण, चित्रकला और क्विज) में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली मेधावी छात्राओं को उनकी शानदार रैंकिंग के लिए प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, शुभम कुमार, हेमलता रजक, जयश्री शर्मा, संजू कुमारी, प्रेरणा बर्णवाल, राखी कुमारी समेत सभी महिला पर्यवेक्षिका मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में कार सवार दो लोग बाल - बाल बचे

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद-बोकारो मुख्य सड़क पर पुटकी नवनीत होटल के समीप सोमवार दोपहर तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ओवरटेक करने के प्रयास में हाईवा के पिछले हिस्से से टकराकर डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे में कार सवार दोनों लोग बाल-बाल बच गए। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्विफ्ट कार धनबाद की ओर से पुटकी जा रही थी। इसी दौरान चालक ने आगे चल रहे हाईवा को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी क्रम में कार हाईवा के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर के बाद कार डिवाइडर पर चढ़ते हुए लोहे की जाली तोड़ गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि डिवाइडर से टकराने के बाद उसका मुंह घूमकर उसी दिशा की ओर हो गया, जिधर से वह आ रही थी। बताया गया कि कार महुदा के बारकी बस्ती निवासी अमानुल अंसारी चला रहा था। उसके साथ कार मालिक असानुल का भाई सैदूल भी सवार था। दोनों लाल बंगला से पुटकी की ओर जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुटकी पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त कार व हाईवा को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद कुछ देर तक सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल रहा।

जल जमाव से निपटने की निगम ने बनाई रणनीति

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। नगर निगम क्षेत्र में जल जमाव से निजात की रणनीति तैयार की जा रही है। सोमवार को मेयर संजीव सिंह की अध्यक्षता में इसके लिए बैठक हुई। इसमें निगम के तमाम वरीय व तकनीकी पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में शहर के जलजमाव वाले इलाकों की स्थिति, जलनिकासी व्यवस्था, नालों की सफाई, संसाधनों की उपलब्धता और स्थायी समाधान की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलनिकासी व्यवस्था, जलजमाव से प्रभावित इलाकों तथा त्वरित एवं दीर्घकालिक समाधान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।मेयर ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया है कि अधिकारी सब कामों को छोड़ जल जमाव से निपटने हेतु कार्यों को प्राथमिकता में लें। बैठक

में जल जमाव से निपटने के लिए मशीनों की खरीदारी पर भी चर्चा की गई। गौरतलब है कि पिछले बोर्ड की बैठक में ही जल निकासी के लिए डी - वाटरिंग मशीनों की खरीदारी का प्रस्ताव बोर्ड से पारित किया गया था। मेयर संजीव सिंह ने बताया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलनिकासी व्यवस्था, जलजमाव से प्रभावित इलाकों तथा त्वरित एवं दीर्घकालिक समाधान की कार्यवाही को इमरजेंसी में लिया गया है.पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस काम में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जलजमाव की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाय। इसमें कोताही बरतने वालों पर कार्रवाई की जायेगी।

भूमिगत आग और जहरीली गैस से भड़के के ग्रामीण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः भूमिगत आग, धुंआ और जहरीली गैस की त्रासदी झेल रहे केशरगढ़ बस्ती के ग्रामीणों का आक्रोश सोमवार को फूट पड़ा। पुनर्वास और जान-माल की सुरक्षा की मांग को लेकर ग्रामीणों ने 'केशरगढ़ विस्थापित संघर्ष मोर्चा' के अध्यक्ष दिवाकर महथा की अगुवाई में ब्लॉक दो एबीओसीपी का चक्का जाम कर दिया और अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गये। आंदोलन के कारण परियोजना में कोयले का उत्पादन और डिस्पैच पूरी तरह से ठप हो गया है। 40 वर्षों से अधर में लटका है पुनर्वास का मामला आंदोलन का नेतृत्व कर रहे दिवाकर महथा ने प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि परियोजना से सटी केशरगढ़ बस्ती के पुनर्वास और नियोजन का मामला 40 वर्षों से अधर में लटका है। इसके कारण स्थानीय ग्रामीणों को आए दिन गंभीर समस्याओं से जूझना पड़ रहा है और वे मूलभूत सुविधाओं तक से वंचित हैं।

ग्रामीणों के अनुसार इलाके में लगातार फैल रही भूमिगत आग और जहरीले धुएं से लोगों का जीना दूभर हो गया है। हैवी ब्लास्टिंग के कारण आये दिन जमीन धंसने का खतरा बना रहता है और ग्रामीणों के मकानों में बड़ी- बड़ी दरारें आ चुकी हैं। गांव में गंभीर जल संकट है और प्रदूषण के कारण लोगों का स्वास्थ्य खतरे में है। ग्रामीणों द्वारा इन समस्याओं को लेकर प्रबंधन को कई बार लिखित और मौखिक रूप से अवगत कराया गया है, लेकिन आज तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक प्रबंधन हमारी मांगों का स्थायी समाधान नहीं करता, तब तक यह अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रहेगा।मौके पर मुख्य रूप से राजेश महथा, अविनाश महथा, मिथुन महथा, निखिल महथा, अवधेश महथा, दिनेश महथा, टिंकू रजक, नितेश महथा, गोपाल सिंह, टिंकू लाला सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। चक्का जाम और ठप पड़े उत्पादन की सूचना मिलते ही बीसीसीएल प्रबंधन के अधिकारी आंदोलनकारियों के बीच पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर आंदोलन समाप्त कराने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। वार्ता के दौरान अधिकारियों को ग्रामीणों के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ा। स्थिति को देखते हुए सुरक्षा के लिहाज से भारी संख्या में सीआ-ईएसएफ के जवान मौके पर पहुंचे और मोर्चा संभाल लिया है। खबर लिखे जाने तक गतिरोध बरकरार था।

पेपर लीक से आजादी के नारों से गूंजा धनबाद, नीट विवाद पर छात्रों का उग्र प्रदर्शन,रणधीर वर्मा चौक पर शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और धांधली के विरोध में धनबाद में छात्रों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। रणधीर वर्मा चौक पर आईसा के बैनर तले सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान आजादी-आजादी के नारों ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि उनका नारा किसी राजनीतिक संदर्भ में नहीं, बल्कि पेपर लीक से आजादी और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर है। छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला भी फूंका और एनटीए को भंग करने की मांग उठाई।देशभर में नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक को लेकर विरोध जारी है। इसी कड़ी में धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर आईसा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं जुटे। हाथों में तख्तियां और बैनर लिए प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान आजादी-आजादी के नारे लगातार गूंजते रहे। छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंककर अपना विरोध दर्ज कराया।प्रदर्शन के दौरान आजादी-आजादी के नारों को लेकर जब सवाल उठे तो छात्रों ने स्पष्ट किया कि उनका आशय पेपर लीक से आजादी, भ्रष्ट परीक्षा व्यवस्था से आजादी और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ से आजादी है। उनका कहना था कि लाखों मेहनती छात्रों के सपनों पर पेपर लीक ने चोट पहुंचाई है। प्रदर्शनकारियों ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए इसे भंग करने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर नीट पेपर लीक के विरोध में छात्रों ने पेपर लीक से आजादी के नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया और शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका। छात्रों का कहना है कि उनका आंदोलन निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर है और जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, उनका विरोध जारी रहेगा।

काला हीरा में कलाकारों ने नाट्य मंचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःसीसी डब्ल्यूओ कम्युनिटी हॉल में 'काला हीरा' का कार्यक्रम का तीसरा दिन सोमवार को जमशेदपुर की कला क्रिएशन मैं नाटक मैं से बोल रहा हूं और गिरिडीह की सांस्कृतिक संस्था आईना ने तुमने मुझे खूबसूरत क्यों कहा की प्रस्तुति दी। नाट्य मंचन के साथ-साथ स्थानीय कलाकारों वह अन्य राज्यों से आए कलाकारों द्वारा बहुत ही सुंदर सांस्कृतिक गीत नृत्य प्रस्तुत किए गए। कलाकारों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सोमवार को सर्वप्रथम जमशेदपुर की संस्था कला क्रिएशन द्वारा प्रस्तुत किया गया नाटक मैं नर्क से बोल रहा हूं वर्तमान सामाजिक विषमता, प्रशासनिक लालफीताशाही और राजनीतिक ढोंग पर एक तीखा प्रहार करता है। महान व्यंग्यकार हरि शंकर परसाई की रचना पर आधारित इस नाटक का निर्देशन और अभिनय मसरूर सिद्दीकी ने किया । नाटक का मुख्य पात्र नर्क से संवाद करते हुए समाज की दोहरी मानसिकता पर सवाल उठाता है। उसका कहना है कि जब इंसान जीवित रहता है, तब उसे भरपेट खाना या सम्मान नहीं मिलता, लेकिन मृत्यु के बाद उस-की लाश पर जुलूस निकाले जाते

हैं और दिखावा किया जाता है। मसरूर सिद्दीकी ने अपने अभिनय और निर्देशन के माध्यम से नाटक में अमीर और गरीब के बीच की गहरी खाई को बहुत बारीकी से उभारा है। तीसरे दिन का दूसरा नाटक गिरिडीह की सांस्कृतिक संस्था आइना ने महेश अमन निर्देशित तुमने मुझे खूबसूरत क्यों कहा नाटक उपन्यासकर यशपाल द्वारा लिखित कहानी जिसका नाट्य रूपांतरन नाटककर अख्तर अली ने किया है का मंचन किया गया। यह नाटक मानव मनो-विज्ञान पर आधारित है जिसमें यह दिखाने का प्रयास किया गया है कि किसी के मन में जीने की आसा जगाने के लिए संवाद के माध्यम से श्रृंगार पैदा किया जाय। जीने की आसा छोड़ चुकी युवती के मन में चिकित्स्क ने उसमें श्रृंगार उत्पन्न कर उसे बिना औषधि के बीमारी से मुक्ति प्रदान कर जीने की चाहत जगा दी। उमंग की भूमिका में तरुण राज सिंह ,बीमार युवती की भूमिका में प्रगति वर्मा, डॉ की भूमिका मे रिषभ नंदन ,नर्स की भूमिका मे शानवी सिंह, जूनियर डॉ की भूमिका में अंशु तथा मामा की भूमिका में आदित्य अमन की भूमिका ने नाटक को सजीवता प्रदान कर दी है। आयुष और पृथ्वी ,रूप सज्जा आदित्य,संगीत व्यवस्था आंसू गोसाई,मंच सज्जा आदित्य ने नाट्य मंचन को आकर्षक बनाया। कार्यक्रम में को सफल बनाने में काला हीरा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, पूनम प्रसाद ,वैभव प्रसाद,मिताली मुखर्जी, सरसी चंद्रा,वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा सचिव हेमंत कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष नरेश राय, यू सी मिश्रा महेंद्र गिरी, शिवानी पंडित, साक्षी , संजय भारद्वाज, संतोष रजक सक्रिय थे।

21-07-2026 T.P. Page 4_Layout 1 21-07-2026 06:43 Page 1

संक्षिप्त खबरें

बैंक ऑफ बड़ौदा के स्थापना दिवस पर 75 छात्रों को बांटी गई कलम-कॉपी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : बैंक ऑफ बड़ौदा के स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार को पश्चिमी सिंहभूम के गांवगुटू स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत 75 विद्यार्थियों के बीच कलम और कॉपी का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना तथा बैंक की सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करना था। कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा, बड़ाजामदा शाखा के शाखा प्रबंधक राजीव रंजन, ग्राहक सेवा सहायक उत्तम कुमार लागूरी, बैंक कर्मचारी घनश्याम लागूरी, झामुमो जिला सदस्य रिमू बहादुर, शंकर बोबोंगा, विद्यालय की प्रधान शिक्षिका रिंकी गागराई, माला ठाकुर सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक राजीव रंजन ने बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा देश के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक है। इसकी स्थापना 20 जुलाई 1908 को महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय द्वारा की गई थी।बैंक का मुख्यालय वडोदरा (गुजरात) में स्थित है और यह अपने ग्राहकों को बचत खाता, सावधि जमा, व्यक्तिगत ऋण तथा डिजिटल बैंकिंग सहित विभिन्न आधुनिक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराता है।उन्होंने कहा कि बड़ाजामदा में बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा खुलने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं मिल रही हैं और भविष्य में भी ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाती रहेंगी।कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने अध्ययन सामग्री प्राप्त कर खुशी व्यक्त की।

हाइकोर्ट का सवाल,तीन माह में क्यों नहीं हुई राज्य सजा पुनरीक्षण बोर्ड की बैठक,मामले की अगली सुनवाई तीन अगस्त को होगी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाइकोर्ट ने राज्य की जेलों में बंद कैदियों की सजा माफी व समय से पहले रिहाई (प्रीमेच्योर रिलीज) से संबंधित स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई की।मामले की सुनवाई के दौरान हाइकोर्ट ने सरकार का पक्ष सुनने के बाद कहा कि प्रत्येक तीन माह में राज्य सजा पुनरीक्षण बोर्ड की बैठक होती है। सरकार से पूछा कि निर्धारित तीन माह में बोर्ड की बैठक क्यों नहीं हुई। कोर्ट ने राज्य सरकार को जवाब दायर करने को कहा। बोर्ड की बैठक में देरी को लेकर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही 30 जुलाई को सजा पुनरीक्षण बोर्ड की आहूत बैठक में लिए गये निर्णयों से संबंधित स्टेटस रिपोर्ट दायर करने को कहा गया है।मामले की सुनवाई तीन अगस्त को होगी।इससे पूर्व सरकार की ओर से बताया गया कि बोर्ड की पिछली बैठक मार्च 2026 में हुई थी।कुछ कारणों से जून माह में बोर्ड की बैठक नहीं हो सकी।झालसा की ओर से अधिवक्ता शुभम मिश्रा ने पक्ष रखा, जबकि हाइकोर्ट की ओर से वरीय अधिवक्ता अमित कुमार दास ने पैरवी की।उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी राज्यों द्वारा उनकी रिमिशन नीतियों के क्रियान्वयन पर नजर रखने और उसकी जांच करने का निर्देश दिया था।सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के आलोक में झारखंड हाइकोर्ट ने मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए उसे जनहित याचिका में तब्दील किया था।

चाईबासा की अदालत ने दुष्कर्म और हत्या के आरोपी को सुनायी आजीवन कारावास की सजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोंटो थाना क्षेत्र में हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले में चाईबासा की अदालत में आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।नाबालिक बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में किस संबंध में 29 अगस्त 2022 को मामला दर्ज किया गया था। इस घटना में पक्षी के पिता की आरोपी ने हत्या भी कर दी थी। नामजद अभियुक्त जमादार सिरका के खिलाफ पुलिस ने वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्यों का संग्रह किया एवं अदालत में सिद्ध भी किया। चाईबासा के जिला न्यायालय ने आज आरोपी को दोषी करार देते हुए दो अलग-अलग धाराओं में आजीवन कारावास एवं 25 साल कठोर कार-ावास की सजा के साथ-साथ क्रमशः तीस हजार एवं बीस हजार रुपए जुमार्ना देने का आदेश भी दिया है।

खूंटी के विद्यार्थियों ने रैली निकालकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का मांगा इस्तीफा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : दिल्ली में जंतर मंतर पर चल रहा अनशन और धरना प्रदर्शन का असर खूंटी जिले में भी देखने को मिला।सोमवार को बड़ी संख्या में बिरसा कॉलेज परिसर से विद्यार्थी रैली करते नजर आये। रैली में विद्यार्थियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो, पेपर लीक बंद करो, शिक्षा को भ्रष्टाचारमुक्त करो समेत कई मांगों से संबंधित बैनर और तख्तियां लिए विद्यार्थी सरकार के विरुद्ध नारेबाजी किये।बिरसा कॉलेज से रैली पदल मार्च करते हुए खूंटी मेन रोड होते हुए भगत सिंह चौक, नेताजी चौक, बाजार टांड़ होते हुए समाहरणालय परिसर पहुंचे और केंद्रीय शिक्षा मंत्री की इस्तीफे की मांग की। स्थानीय क्षेत्र नेता और स्थानीय समाजसेवी सह नेता मार्शल बारला ने भी छात्रों के रैली का समर्थन किया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की आवाज बुलंद की।

पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण की नीति किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है: साई रेड्डी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लातेहार : जिला मुख्यालय मे भारतीय किसान संघ प्रदेश के तत्वावधान में अखिल भारतीय राष्ट्रीय अध्यक्ष के साई रेड्डी की उपस्थिति में संगठनात्मक बैठक एवं किसान सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ।इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष जयकुमार सिंह ने भगवान बलराम के प्रतीक हल एवं अंगवस्त्र भेंट कर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रेड्डी का स्वागत किया। मौके पर श्री रेड्डी ने कहा कि वर्तमान में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण की नीति किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।उन्होंने कहा कि एथेनॉल गन्ने सहित विभिन्न कृषि फसलों से तैयार किया जाता है।जिससे किसानों की उपज की मांग बढ़ेगी और उन्हें बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि अमेरिका, जर्मनी, जापान सहित अनेक देशों में एथेनॉल मिश्रित ईंधन का

सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया कि राज्य में किसानों की उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रभावी रूप से सुनिश्चित किया जाए तथा किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य मिले।उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर बल देते हुए किसानों से रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करने, गौ-आधारित खेती अपनाने तथा जैविक खाद, गोबर, गोमूत्र एवं घरों से निकलने वाले जैविक कचरे से तैयार उर्वरकों के अधिकाधिक उपयोग का आह्वान किया।प्रदेश अध्यक्ष श्री सिंह ने संगठन को गांव-गांव तक सशक्त बनाने तथा किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प दोहराया।मौके पर श्रीराम पांडेय, प्र-काश सिंह, आनंद शाही, दीपक, सतीश, राजेश सिंह, बबन कुमार मांझी, जितेंद्र कुमार सिंह, राजू स-ाहू, मनोज उरांव, संतोष यादव, देवमणि देवी, सरिता देवी, सुमित्रा देवी, सरयू प्रसाद, नीलम देवी, मधु देवी, रामचंद्र सिंह, भानु प्रताप सिंह, अमलेश सिंह, विष्णु गुप्ता, आनंद सिंह समेत कई लोग उपस्थित थे।

विद्युत सब स्टेशन में डकैती का फरार आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : पिठोरिया थाना पुलिस ने कोल्हेया-कनादू स्थित विद्युत सब स्टेशन में हुई डकैती कांड के एक फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई को मामले के खुलासे की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।पिठोरिया थाना प्रभारी सतीश कुमार पांडे के अनुसार, पिठोरिया थाना कांड संख्या 27/26, दिनांक 24 मार्च 2026, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 310 के तहत दर्ज मामले में अग्राथमिकी अभियुक्त दिनेश लोहार (38 वर्ष) पिता पुरान लोहरा को गिरफ्तार किया गया। उसका मूल निवास चकला अमवा ताड़, महुवा टोली, थाना चंदवा, जिला लातेहार है, जबकि वर्तमान में वह खुशबू टोली, शांति रानी स्कूल के समीप, थाना डोरंडा, जिला रांची में रह रहा था।पुलिस के अनुसार, आरोपी पर पिठोरिया थाना क्षेत्र के कोल्हेया-कनाडू स्थित विद्युत सब स्टेशन में डकैती की घटना में शामिल होने का आरोप है। घटना के बाद से वह फरार चल रहा था। गुप्त सूचना एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।पुलिस ने बताया कि इस डकैती कांड में शामिल अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। मामले की अनुसंधान जारी है और जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की भी संभावना है।

एल एंड डीसी किरीबुरू में ओटीआर टायर सुरक्षा एवं रखरखाव पर कार्यशाला आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : सेल के झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस (जेजीओएम) के लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर (एल एंड डीसी), किरीबुरू में सोमवार को ओटीआर टायर सुरक्षा और टायर रखरखाव विषय पर एक दिवसीय प्रदर्शन सुधार कार्यशाला (पीआईडब्ल्यू) का आयोजन किया गया।कार्यशाला का उद्देश्य भारी खनन मशीनों में उपयोग होने वाले ऑफ-द-रोड (ओटीआर) टायरों के सुरक्षित संचालन, निरीक्षण, रखरखाव एवं प्रबंधन के प्रति कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाना था।इसमें झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ ग्रुप ऑफ माइंस के कुल 39 कर्मचारियों ने भाग लिया।कार्यक्रम का उद्घाटन सीजीएम (रखरखाव) एस.एस. शाह, सीजीएम (एचआर-माइन्स) डी. मिश्रा, जीएम प्रभारी (खनन) एस.के. सिंह तथा राम सिंह की उपस्थिति में हुआ। प्रतिभागियों का स्वागत डीजीएम (एचआर-एल एंड डी) रथिन विश्वास ने किया, जबकि संचालन एजीएम (एचआर-एल एंड डी) सी.के. बिस्वाल और समन्वय एजीएम (एचआर-एल एंड डी) आर.के. साहू ने किया।कार्यशाला के तकनीकी सत्र एलएंडटी कंस्ट्रक्शन एंड माइनिंग मशीनरी, दुर्गापुर के प्रशिक्षण प्रमुख अरिंदम दत्ता ने संचालित किए।उन्होंने ओटीआर टायरों की संरचना, सुरक्षित संचालन, निरीक्षण तकनीक, निवारक रखरखाव, टायर विफलता विश्लेषण, वायु दाब प्रबंधन तथा टायरों की आयु बढ़ाने से संबंधित व्यावहारिक जानकारी साझा की। जीएम प्रभारी (खनन) राम सिंह ने कहा कि ओटीआर टायरों का सुरक्षित उपयोग और उचित रखरखाव खनन कार्यों में दुर्घटनाओं को कम करने, उपकरणों की उपलब्धता बढ़ाने तथा उत्पादन क्षमता में सुधार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।वहीं सीजीएम (एचआर-माइन्स) डी. मिश्रा ने एआई, डिजिटलीकरण और आधुनिक खनन तकनीकों के दौर में निरंतर सीखने, नई तकनीकों को अपनाने और कौशल उन्नयन की आवश्यकता पर बल दिया।सीजीएम (रखरखाव) एस.एस. शाह ने भी टायर सुरक्षा और निवारक रखरखाव को परिचालन उत्कृष्टता का आधार बताया। कार्यशाला का समापन प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और विशेषज्ञों से तकनीकी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। यह कार्यक्रम आधुनिक खनन कार्यों में सुरक्षा, दक्षता और सर्वोत्तम रखरखाव प्रथाओं को बढ़ावा देने की दिशा में उपयोगी साबित हुआ।

नेशनल हाईवे पर छड़ लदा ट्रैक्टर पलटा, दो की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गोड्डा : गोड्डा-पथरगामा मुख्य मार्ग एनएचआइ के रॉयल स्पून होटल के समीप सोमवार दोपहर करीब 2 बजे दर्दनाक सड़क हादसे में सरिया (छड़) लदी ट्रैक्टर पलट जाने से दो लोगों की मौत घटना स्थल पर ही हो गई।जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया.घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।घायल प्रकाश बावरी ने बताया कि ट्रैक्टर गोड्डा से छड़ लादकर ललमटिया की ओर जा रहा था। रॉयल स्पून होटल के पास अचानक ट्रैक्टर का एक्सल टूट गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया।ट्रैक्टर पर कुल पांच लोग सवार थे। हादसे में चालक सुनील महतो एवं निवास बावरी, दोनों निवासी पांडुबथान गांव गोड्डा, ट्रैक्टर के नीचे दब जाने की वजह से मौत हो गई।

प्रकाश बावरी हादसे में घायल हो गया, जबकि ट्रैक्टर पर सवार दो

अन्य लोग घटना के बाद अपने घर चले गए।घायल को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।मुफस्सिल थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर का एक्सल टूटने से वाहन असंतुलित होकर पलट गया.घटना के बाद कुछ देर तक हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल रहा और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई।पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

22 जुलाई को सेल प्रबंधन से वार्ता करेगा झामसंसं, मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन की चेतावनी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : गुवा झारखंड मजदूर संघर्ष संघ यूनियन ने सेल प्रबंधन को कर्मचारियों और टाउनशिप से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर 22 जुलाई को होने वाली वार्ता में ठोस समाधान निकालने की चेतावनी दी है।यूनियन ने स्पष्ट किया है कि यदि बैठक में सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो कर्मचारियों के हित में चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा। झामसंसं के केंद्रीय अध्यक्ष रामा पांडे ने कहा कि सेल प्रबंधन कर्मचारियों पर बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करने का दबाव बना रहा है, जबकि यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है।उन्होंने कहा कि जब तक न्यायालय का अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक बायोमेट्रिक प्रणाली लागू नहीं की जानी चाहिए।उन्होंने आरोप लगाया कि कर्मचारी और यूनियन

पहले से ही इसका विरोध कर रहे हैं, इसके बावजूद प्रबंधन दबाव बना रहा है। रामा पांडे ने बताया कि 22 जुलाई को प्रस्तावित वार्ता में बायोमेट्रिक प्रणाली के अलावा गुवा सेल अस्पताल में दवाइयों की कमी, डीएवी पब्लिक स्कूल गुवा में गिरते शिक्षा स्तर, टाउनशिप की सफाई व्यवस्था, जर्जर सेल क्वार्टरों की मरम्मत तथा पेयजल की गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएंगे।उन्होंने कहा कि प्रबंधन ने पूर्व में सफाई कर्मियों की संख्या बढ़ाने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।इसके कारण टाउनशिप में जगह-जगह कचरे का अंबार लगा है, जिससे स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं।यूनियन अध्यक्ष ने कहा कि सेल के कई आवास जर्जर हो चुके हैं।कई क्वार्टरों की छतों से पानी टपकता है, दरवाजे-खिड़कियां क्षतिग्रस्त हैं और फर्श टूट चुके हैं।उन्होंने सभी पुराने क्वार्टरों की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की।साथ ही आरोप लगाया कि कई क्षेत्रों में घरों तक गंदा पानी पहुंच रहा है, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।उन्होंने पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में तत्काल सुधार की भी मांग की। रामा पांडे ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 22 जुलाई की वार्ता में इन सभी मांगों पर सकारात्मक सहमति नहीं बनती है, तो झारखंड मजदूर संघर्ष संघ चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सेल प्रबंधन की होगी।

हाइकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब,हेल्थ सेफ्टी एडवाइजरी बोर्ड कब तक बन जायेगा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाइकोर्ट ने राज्य में संचालित थर्मल पावर प्लांटों में कार्यरत मजदूरों की सुरक्षा, स्वास्थ्य व प्रदूषण को लेकर स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई की।कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार का पक्ष सुना।पक्ष सुनने के बाद कोर्ट राज्य सरकार से पूछा कि कैबिनेट के पास हेल्थ सेफ्टी एंड अकुपेशनल रूल-2025 का ड्राफ्ट लंबित है।यह कब तक बन जायेगा. इस रूल के तहत बनने वाला झारखंड हेल्थ सेफ्टी एडवाइजरी बोर्ड कब तक लागू हो जायेगा। कोर्ट ने सरकार को जवाब दायर करने का निर्देश देते हुए दो सप्ताह का समय प्रदान किया। वहीं मामले के एमीकस क्यूरी अधिवक्ता अभय प्रकाश को भी एक्स कैडर पोस्ट के बारे में नियमों की जानकारी देने को कहा गया है।मामले की अगली सुनवाई छह अगस्त को होगी। इससे पूर्व राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि चीफ फैक्ट्री इंस्पेक्टर का पद प्रमोशनल पद है, जो प्रोन्नति से भरा जाता है. वर्तमान में जो भी फैक्ट्री इंस्पेक्टर कार्य कर रहे हैं, उनकी सेवा अभी प्रोन्नति योग्य नहीं हुई है।चीफ इंस्पेक्टर ऑफ फैक्ट्रीज का यह पद वर्ष 2030 तक खाली रहेगा. इसलिए चीफ ऑफ फैक्ट्रीज इंस्पेक्टर की एडहॉक व्यवस्था की गयी है। हालांकि कैबिनेट के पास एक रूल (हेल्थ सेफ्टी एंड अकुपेशनल रूल-2025) का ड्राफ्ट लंबित है. उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के आलोक में झारखंड हाइकोर्ट ने स्वतः संज्ञान से जनहित याचिका दर्ज कर थर्मल पावर प्लांटों में कार्यरत मजदूरों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, श्रमिक अधिकारों व प्रदूषण को लेकर सुनवाई कर रही है।

सारंडा में स्कूल बसों को ग्रामीणों ने रोका, शिक्षा व्यवस्था सुधारने की मांग पर प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : नक्सल प्रभावित सारंडा क्षेत्र के करमपदा, थोलकोबाद समेत आसपास के गांवों में शिक्षा व्यवस्था की बदहाली सोमवार को सड़क पर उतर आ-ई।करमपदा गांव के समीप किरीबुरू-थोलकोबाद मुख्य चौक पर ग्रामीणों, अभिभावकों और स्कूली बच्चों ने सेल किरीबुरू प्रबंधन की दोनों स्कूल बसों को सुबह से ही रोककर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि वर्षों से चली आ रही बसों की कमी के कारण दर्जनों बच्चे प्रतिदिन स्कूल जाने से वंचित हो रहे हैं, लेकिन अब तक न तो सेल प्रबंधन और न ही प्रशासन ने कोई स्थायी समाधान निकाला है।प्रदर्शन के दौरान बच्चों ने हाथों में किताबें लेकर नारे लगाए, हम आधी रोटी खाएंगे, फिर भी स्कूल जाएंगे।हमें खूब पढ़ना है, जीवन में आगे बढ़ना है।बच्चों का कहना था कि वे पढ़-लिखकर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन करना चाहते हैं, लेकिन संसाधनों की कमी उनके सपनों में बाधा बन रही है।ग्रामीणों ने बताया कि सेल की सीएसआर योजना के तहत करमपदा, थोलकोबाद सहित लगभग 15 गांवों के विद्यार्थियों के लिए केवल दो स्कूल बसें संचालित की जा रही हैं।पहले यह व्यवस्था पर्याप्त थी, लेकिन अब विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने से बसों में जगह नहीं मिलती।सुरक्षा नियमों के कारण चालक निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बस में बैठाने से मना कर देते हैं, जिससे कई छात्र-छात्राएं रोजाना बिना स्कूल गए वापस घर लौटने को मजबूर हो जाते हैं। ग्रामीणों के अनुसार थोलकोबाद और करमपदा से किरीबुरू की दूरी लगभग 25 से 40 किलोमीटर है।क्षेत्र के अधिकांश गांवों में आठ-वीं के बाद पढ़ाई की सुविधा नहीं होने से बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रतिदिन लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।उबड़-खाबड़ पहाड़ी सड़कें, खतरनाक घाटियां और सीमित बस सेवा उनकी शिक्षा में बड़ी बाधा बन गई हैं। प्रदर्शनकारियों ने दो प्रमुख मांगें र-खीं। पहली, सीएसआर योजना के तहत तत्काल अतिरिक्त स्कूल बस उपलब्ध कराई जाए ताकि सभी बच्चों को नियमित रूप से स्कूल पहुंचाया जा सके।दूसरी, यदि अतिरिक्त बस देना संभव नहीं हो तो थोलकोबाद विद्यालय को कम से कम आठवीं तक तथा करमपदा विद्यालय को दसवीं या प्लस-टू स्तर तक उत्क्रमित किया जाए, जिससे बच्चों को रोजाना लंबी दूरी तय न करनी पड़े।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।उन्होंने जिला प्रश-ासन, शिक्षा विभाग तथा सेल किरीबुरू प्रबंधन से तत्काल हस्तक्षेप कर सारंडा के बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने की मांग की। उनका कहना है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शिक्षा ही विकास का सबसे मजबूत आधार है और यदि बच्चे बस की कमी के कारण स्कूल नहीं पहुंच पाए, तो विकास के सभी दावे अधूरे रह जाएंगे।

सोमनाथ के लिए 1100 श्रद्धालुओं की विशेष ट्रेन रवाना
बिहार सरकार की ऐतिहासिक पहल : संजय सरावगी

सनातन आस्था, संस्कृति और धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देगा सोमनाथ स्वाभिमान पर्वः संजय सरावगी

बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में श्रद्धालुओं के सम्मान और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का कार्य जारीः सरावगी

बिहार से सोमनाथ तक आस्था की यात्रा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण का सशक्त संदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

पटना, (एजेंसी) : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने पाटलिपुत्र जंक्शन से 1100 श्रद्धालुओं को भगवान श्री सोमनाथ के दर्शन के लिए विशेष ट्रेन से रवाना किए जाने को बिहार सरकार की ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण पहल बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य सरकार सनातन आस्था, भारतीय संस्कृति और धार्मिक पर्यटन को नई ऊर्जा देने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल एक तीर्थयात्रा नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक चेतना और सनातन परंपरा के प्रति सम्मान का प्रतीक है। संजय सरावगी ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-असाधारण आस्था के 1000 वर्ष के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए विशेष ट्रेन की व्यवस्था करना करोड़ों सनातन श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान है। भगवान श्री सोमनाथ का पावन धाम भारतीय सभ्यता, संस्कृति, आस्था और आत्मसम्मान का प्रतीक रहा है। ऐसे ऐतिहासिक अवसर पर बिहार के श्रद्धालुओं को दर्शन का अवसर उपलब्ध कराना अत्यंत सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करना सीख रहा है, वहीं बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार इस विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों के विकास, सांस्कृतिक आयोजनों के विस्तार और श्रद्धालुओं की सुविधाओं में वृद्धि के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता स्पष्ट दिखाई दे रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह पहल बिहार की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करेगी और धार्मिक पर्यटन को भी नई गति देगी। इससे श्रद्धालुओं को सुविधा मिलने के साथ-साथ राज्य की सांस्कृतिक विरासत को भी व्यापक पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार विकास और विरासत को साथ लेकर चलने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है तथा आस्था, संस्कृति और राष्ट्रगौरव को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। संजय सरावगी ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, कला एवं संस्कृति विभाग तथा इस आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, खान एवं भूतत्व सह कला एवं संस्कृति विभाग मंत्री डॉ.प्रमोद कुमार चंद्रवंशी, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, सत्तारूढ़ के मुख्य सचेतक सह विधायक संजीव चौरसिया, विधायक सुजीत पासवान सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

टनकुप्पा में प्रशासन की नई पारी शुरू, विकास की कमान संभालेंगी बीडीओ गौरी कुमारी

योगदान के बाद जनप्रतिनिधियों ने किया आत्मीय स्वागत, बेहतर प्रशासन की जताई उम्मीद

अंचलाधिकारी दिव्यांशु कुमार साह का भी हुआ सम्मान

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : टनकुप्पा प्रखंड में सोमवार से प्रशासनिक व्यवस्था की नई पारी की शुरूआत हो गई। नवपदस्थापित प्रखंड विकास पदाधिकारी गौरी कुमारी ने प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद जनप्रतिनिधियों ने अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नव पदस्थापित अंचलाधिकारी दिव्यांशु कुमार साह और प्रखंड कृषि पदाधिकारी रामदेव राम का भी जनप्रतिनिधियों ने अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया। जनप्रतिनिधियों ने दोनों अधिकारियों का स्वागत करते हुए प्रखंड में विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासनिक पारदर्शिता तथा आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान की अपेक्षा व्यक्त की। इधर, योगदान के तुरंत बाद बीडीओ गौरी कुमारी ने प्रखंड कार्यालय के अधिकारियों और कर्मियों के साथ परिचयात्मक बैठक की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी और समयबद्ध तरीके से पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जवाबदेही के तय साथ कार्य करने, जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा सरकारी नियमों एवं कार्य संस्कृति का पूरी निष्ठा से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।इस मौके पर बीपीआरओ, मुखिया दिलीप यादव, उमेश यादव, वीरेंद्र यादव, लखेंद्र मांझी, उमेश दास, संतोष कुमार सागर, रामचंद्र यादव, परशुराम प्रसाद, आरएलएम किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अनिल कुमार मेहता, जदयू अध्यक्ष परशुराम प्रसाद, विजय कुमार सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं प्रखंडकर्मी उपस्थित रहे।

हादसे से मिला सबक, फतेहपुर के 19 खतरनाक बोरवेल को हमेशा के लिए किया बंद

डीएम के निर्देश पर पीएचईडी ने समय सीमा में पूरी की कार्रवाई, जिला मुख्यालय को सौंपी रिपोर्ट

खुला बोरवेल छोड़ने वाले संवेदक पर पहले ही दर्ज हो चुकी है प्राथमिकी

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड अंतर्गत गुरपा थाना क्षेत्र के रंगूनगर गांव में चार वर्षीय पियूष के खुले बोरवेल में गिरने की घटना के बाद जिला प्रशासन ने त्वरित और व्यापक कार्रवाई करते हुए फतेहपुर प्रखंड के सभी अनुपयोगी बोरवेलों को सुरक्षित रूप से बंद करा दिया है। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर के निर्देश पर लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) ने नल-जल योजना के तहत बने सभी बेकार बोरवेलों को मानक प्रक्रिया के अनुसार भरकर भविष्य में ऐसे हादसों की आशंका पर रोक लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।पीएचईडी के कनीय अभियंता शारदा सुमन ने बताया कि फतेहपुर प्रखंड की 18 पंचायतों में नल-जल योजना के तहत कुल 197 रिंग बोरिंग कराई गई थी। इनमें 19 बोरवेल पानी नहीं मिलने के कारण अनुपयोगी हो गए थे। विभाग ने सभी 19 बोरवेलों को सुरक्षित तरीके से भरकर पूरी तरह बंद कर दिया है। निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा कर इसकी अनुपालन रिपोर्ट और प्रमाण-पत्र भी जिला मुख्यालय को भेज दिया गया है।उन्होंने बताया कि रंगूनगर में जिस असफल बोरवेल को खुला छोड़ दिया गया था, उसके मामले में संबंधित संवेदक के विरुद्ध गुरपा थाना में प्राथमिकी पहले ही दर्ज कराई जा चुकी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में किसी भी अनुपयोगी बोरवेल को खुला नहीं छोड़ा जाएगा और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। वहीं प्रशासन की इस कार्रवाई का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया है। ग्रामीणों का कहना है कि पियूष हादसे के बाद उठाया गया यह कदम न केवल जनसुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि भविष्य में ऐसे दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति रोकने में भी प्रभावी साबित होगा।

सिंधुगढ़ थाना कांड के प्रअभियुक्त सिकंदर उर्फ सोनू गिरफ्तार, भेजा गया जेल

वर्ष 2025 के दर्ज संगीन मामले में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

हड़ियादाग के तुलसीडीह टोला से आरोपी को दबोचा गया

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : सिंधुगढ़ थाना पुलिस ने कांड संख्या 132/25, दिनांक 28 नवंबर 2025 में दर्ज मामले के प्राथमिक अभियुक्त सिकंदर कुमार उर्फ सोनू को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी गणेशी यादव का पुत्र एवं हड़ियादाग गांव, तुलसीडीह टोला, थाना सिंधुगढ़, जिला गया का निवासी है। सिंधुगढ़ थानाध्यक्ष निलेश कुमार ने बताया कि थाना में अभियुक्त के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 303(2), 317(5), 318(4), 338, 336(3), 340(2) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज है। मामला दर्ज होने के बाद से अभियुक्त पुलिस की गिरफ्त से फरार था। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी दौरान सोमवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी से आवश्यक पूछताछ करने के बाद उसे न्यायालय ने प्रस्तुत किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि मामले में विधिसम्मत कार्रवाई जारी है।

अवैध खनन मामले में प्राथमिक अभियुक्त गिरफ्तार

केवला गांव के मथुरापुर टोला से हुई गिरफ्तारी, भेजा गया जेल

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : सिंधुगढ़ थाने की पुलिस ने अवैध खनन एवं संबंधित धाराओं में दर्ज कांड संख्या 54/26 दिनांक 24 मई 2026 के प्राथमिक अभियुक्त मनोज यादव को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी सिंधुगढ़ थाना क्षेत्र ग्राम केवला टोला मथुरापुर निवासी रामबृक्ष यादव का पुत्र है। थानाध्यक्ष निलेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त मनोज यादव के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) एवं 317(2), बीएम (सीपीआईएमटी एंड एस) एक्ट, 2024 की धारा 56 तथा एमएम(दी एंड आर) ऐक्ट, 1957 की धारा 21 के तहत मामला दर्ज है। उसे गिरफ्तार करने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी दौरान सोमवार को मिली गुप्त सूचना पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से आवश्यक पूछताछ करने के बाद अग्रिम कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि मामले में विधिसम्मत कार्रवाई जारी है।

पटना-चर्लपल्ली-पटना स्पेशल ट्रेनों के परिचालन में किया जाएगा विस्तार

धनबादःयात्री सुविधा एवं उनके सुगम आवागमन हेतु पटना-चर्लपल्ली-पटना स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का किया जायेगा विस्तार जिनका विवरण इस प्रकार है।

क्र.सं. गाड़ी सं. गाड़ी का नाम परिचालन का दिन विस्तारित तिथि1. 03253 पटना-चर्लपल्ली स्पेशल सोमवार, बुधवार 03.08.26 से 16.09.26 तक।2. 03254 चर्लपल्ली-पटना स्पेशल बुधवार 05.08.26 से 16.09.26 तक।3. 03255 चर्लपल्ली - पटना स्पेशल शुक्रवार 05.08.26 से 18.09.26 तक।उपरोक्त स्पेशल ट्रेनों का समय और ठहराव वर्तमान में चल रही पटना-चर्लपल्ली-पटना स्पेशल ट्रेनों के मौजूदा समय और ठहराव के समान होगा।यात्री सुविधा एवं उनके सुगम आवागमन हेतु पटना-चर्लपल्ली-पटना स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का किया जायेगा विस्तार जिनका विवरण इस प्रकार है।

क्र.सं. गाड़ी सं. गाड़ी का नाम परिचालन का दिन विस्तारित तिथि

ट्रेन यात्री से सोना लूट कांड मामले में नामजद जीआरपी के तीन जवानों ने किया कोर्ट में समर्पण

गया जी (एजेंसी) : गया-कोडरमा रेल सेक्शन पर 21 नवम्बर 2025 को हावड़ा-जोधपुर एक्सप्रेस में कूरियर यात्री से करीब एक किलोग्राम सोने की लूट के चर्चित मामले में फरार चल रहे जीआरपी के तीन जवानों ने सोमवार को गया व्यवहार न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में करण कुमार, अभिषेक चतुर्वेदी और आनंद मोहन शामिल हैं। तीनों ने प्रभारी एसीजेएम-5 की अदालत में सरेंडर किया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इस मामले में चौथे आरोपी की तलाश अभी भी जारी है।

21 नवंबर 2025 को हुई थी करोड़ों के सोने की लूट

यह मामला 21 नवंबर 2025 का है जब हावड़ा-जोधपुर एक्सप्रेस से सफर कर रहे कूरियर कर्मी धनंजय शाश्वत से कोडरमा और गया के बीच कथित रूप से एक किलोग्राम सोना लूट लिया गया था। लूटे गए सोने की अनुमानित कीमत लगभग 1.44 करोड़ रुपये बताई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए रेल पुलिस ने विशेष जांच शुरू की जिसमें जीआरपी के जवानों की संलिप्तता सामने आने के बाद पूरे प्रकरण ने व्यापक चर्चा बटोरी। अब तीन आरोपियों के आत्मसमर्पण के बाद मामले की न्यायिक प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है, जबकि पुलिस शेष आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है।

रेल एसपी के नेतृत्व में तेज हुई कार्रवाई, चौथे आरोपी की तलाश जारीउल्लेखनीय है कि इस मामले में नामजद चारों जीआरपी जवानों की अग्रिम जमानत याचिका हाल ही में उच्च न्यायालय ने खारिज कर दी थी। इसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना बढ़ गई थी। रेल पुलिस अधीक्षक अनंत कुमार राय के नेतृत्व में विशेष टीम द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी दबाव के बीच तीनों आरोपियों ने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। अब पुलिस चौथे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है।

फतेहपुर के रेंगनी व चरका पत्थर में नए प्राथमिक विद्यालय की स्थापना की कवायद तेज

शिक्षा विभाग ने बीईओ से एक सप्ताह में मांगी विस्तृत जांच रिपोर्ट, स्थलीय सत्यापन के दिए निर्देश

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : :फतेहपुर प्रखंड के रेंगनी और चरका पत्थर गांव में नए प्राथमिक विद्यालय की स्थापना की दिशा में प्रशासनिक प्रक्रिया तेज हो गई है। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय के निर्देश पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा एवं साक्षरता), गया ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, फतेहपुर को एक सप्ताह के भीतर स्थलीय जांच कर विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।जारी पत्र के अनुसार, यह कार्रवाई विधानसभा में उठाए गए तारांकित प्रश्न संख्या-1260 तथा उससे संबंधित आश्वासन संख्या-656/26 के अनुपालन में की जा रही है। जांच के दौरान ग्राम पंचायत नोडीहा सुरंग के रेंगनी तथा ग्राम पंचायत जयपुर के चरका पत्थर गांव में विद्यालय स्थापना के लिए निर्धारित सभी मानकों का सत्यापन किया जाएगा। प्रतिवेदन में एक किलोमीटर की परिधि में संचालित सरकारी विद्यालयों का विवरण, दोनों गांवों की कुल आबादी, 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की संख्या, विद्यालय के लिए भूमि की उपलब्धता, ग्रामसभा से पारित प्रस्ताव तथा आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने को कहा गया है। यदि सरकारी भूमि उपलब्ध होगी तो अंचलाधिकारी से एनओसी, जबकि निजी भूमि होने पर दानदाता की सहमति भी रिपोर्ट के साथ संलग्न करनी होगी। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी बिंदुओं की स्थलीय जांच कर प्राथमिकता के आधार पर एक सप्ताह के भीतर प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए, ताकि नए प्राथमिक विद्यालय की स्थापना संबंधी अग्रेतर कार्रवाई समय पर पूरी की जा सके। इससे दोनों गांवों के बच्चों को भविष्य में अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा की सुविधा मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

मालगाड़ी की चपेट में आकर अज्ञात व्यक्ति की मौत,शव रेल ट्रैक पर रहने से ट्रेनों का परिचालन रहा प्रभावित

आरपीएफ के मौके पर पहुंचने व शव को ट्रैक से हटाने के बाद रेल परिचालन हुआ सामान्य

फतेहपुर (गया जी): गया- कोडरमा रेलखंड पर स्थित लालबाग और दिलवा रेलवे स्टेशनों के बीच रेल किलोमीटर संख्या 409/16 पर मालगाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी है। मृतक का शव रेल ट्रैक पर ही रह जाने के कारण कुछ देर के लिए डाउन रेल लाइन पर ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहा। यह हादसा सोमवार सुबह करीब नौ बजे की है। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कोडरमा के निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि लालबाग और दिलवा स्टेशनों के बीच मालगाड़ी की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई है। सूचना पर जांच के लिए तत्काल आरपीएफ बल को घटना स्थल भेजा गया। वे वहां पहुंचे तो डाउन रेल ट्रैक पर रेल किलोमीटर संख्या 409/16 पर एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। उन्होंने बताया कि घटना के बाद शव रेल ट्रैक पर पड़े रहने के कारण डाउन रेल लाइन पर कुछ देर के लिए ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहा। घटना स्थल पर पहुंची आरपीएफ की टीम आवश्यक कार्रवाई करते हुए रेल ट्रैक से शव को हटाया। इसके बाद डाउन लाइन पर रेल परिचालन सामान्य हो सका। मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर जीआरपी भी मौके पर पहुंच गई और कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि आरपीएफ और जीआरपी मामले की जांच में जुटी है तथा शव की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बकाया सीएमआर जमा नहीं करने वाली समितियों को 25 जुलाई तक अल्टीमेटम, गया डीएम ने दिखाई सख्ती

40 हजार क्विंटल सीएमआर अब भी बकाया, 96.25 प्रतिशत चावल एसएफसी गोदामों में जमा

27 जुलाई से गोदामों का औचक सत्यापन, गड़बड़ी मिलने पर दर्ज होगी प्राथमिकी

गया जी(एजेंसी) : जिले में धान अधिप्राप्ति वर्ष 2025-26 के तहत बचे हुए कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) की शत-प्रतिशत वसूली को लेकर गया जिला प्रशासन पूरी तरह सख्त हो गया है। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर के निर्देश पर टास्क फोर्स की टीम तथा बिहार राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम (एसएफसी) के जिला प्रबंधक दिग्विजय सिंह और जिला सहकारिता पदाधिकारी जेनधारी पासवान लगातार बकायेदार समितियों एवं राइस मिलरों से बकाए चावल जमा कराने की कार्रवाई में जुटे हैं। जिले में अब भी लगभग 40 हजार क्विंटल सीएमआर एसएफसी के गोदामों में जमा किया जाना शेष है। हालांकि अब तक 96.25 प्रतिशत सीएमआर सफलतापूर्वक जमा कराया जा चुका है। कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित बैठक में जिला टॉस्क टीम के अधिकारियों ने राइस मिलरों और पैक्स अध्यक्षों के साथ लंबित सीएमआर की समीक्षा की गई। बैठक में सभी संबंधित पक्षों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि 25 जुलाई तक हर हाल में बकाया सीएमआर एसएफसी के सरकारी गोदामों में जमा कर दें। अधिकारियों ने कहा कि लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाए अन्यथा कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

विभाग का लक्ष्य है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करना है। अधिकारियों ने सभी मिलरों और पैक्स अध्यक्षों से कार्य में तेजी लाने और निर्धारित समय के भीतर बकाया चावल जमा करने को कहा। डीएम सख्त ने चेतावनी दी है कि यद्यपि सीएमआर जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित है। लेकिन जिला स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए 25 जुलाई की समय-सीमा तय की गई है। यदि कोई समिति इस तिथि तक बकाया सीएमआर जमा नहीं करती है तो 27 जुलाई से संबंधित गोदामों का औचक भौतिक सत्यापन शुरू कर दिया जाएगा। जांच के दौरान सरकारी अभिलेखों के अनुरूप धान या चावल की मात्रा में किसी भी प्रकार की कमी मिलने पर इसे गबन का मामला मानते हुए संबंधित पैक्स अध्यक्षों, समितियों और अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी धान और सीएमआर के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गया जंक्शन सहित स्टेशनों के फल-सब्जियों की रेल पार्सल सेवा को मिलेगा बढ़ावा

डीडीयू मंडल ने उत्पादकों व व्यापारियों से मांगी परिवहन संबंधी जानकारी

फल- सब्जी मांग के अनुसार विकसित होगी पार्सल व्यवस्था

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू मंडल ने फल एवं सब्जी उत्पादकों तथा व्यापारियों के लिए रेल पार्सल सेवा के माध्यम से बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में नई पहल शुरू की है। इस पहल से गया जंक्शन सहित मंडल के विभिन्न स्टेशनों से कृषि उत्पादों की रेल मार्ग से ढुलाई को बढ़ावा मिलेगा। मंडल का उद्देश्य किसानों, उत्पादकों और व्यापारियों की वास्तविक परिवहन आवश्यकताओं को समझते हुए उनकी जरूरत के अनुरूप प्रभावी एवं व्यवहारिक पार्सल परिवहन व्यवस्था विकसित करना है।

रेल सूत्रों ने बताया कि गया जंक्शन, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी-ऑन-सोन, अनुग्रह नारायण रोड, जपला और बिक्रमगंज सहित विभिन्न स्टेशनों से फल एवं सब्जियों के संभावित पार्सल यातायात का आकलन किया जा रहा है। इसके लिए उन व्यापारियों एवं उत्पादकों से संपर्क किया जा रहा है जो वर्तमान में अपने उत्पाद मुख्य रूप से सड़क मार्ग से विभिन्न राज्यों और शहरों तक भेजते हैं। रेल पार्सल सेवा को सड़क परिवहन की तुलना में सुरक्षित, तेज, किफायती तथा पर्यावरण-अनुकूल विकल्प माना जाता है। यदि पर्याप्त और व्यवहार्य मांग सामने आती है तो उपलब्ध संसाधनों एवं परिचालन की व्यवहार्यता के आधार पर संबंधित स्टेशनों से नियमित पार्सल परिवहन की व्यवस्था विकसित की जाएगी। इससे गया जिले के फल एवं सब्जी उत्पादकों को अपने उत्पाद कम लागत में दूर-दराज के बाजारों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी आय बढ़ने की भी संभावना है।डीडीयू रेल मंडल के वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक राजीव रंजन ने बताया कि डीआरएम उदय सिंह मीना का प्रयास से सब्जी के व्यापारियों और उत्पादकों को सहूलियत के लिए महत्वपूर्ण पहल तेज किये हैं। किसानों,व्यापारियों से अपील की जा रही है कि वे अपने संभावित पार्सल यातायात का विवरण, जैसे प्रेषण स्थल, गंतव्य, माल की अनुमानित मात्रा तथा परिवहन की नियमितता, रेलवे के साथ साझा करें। प्राप्त सभी सुझावों का परीक्षण कर दिया आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। डीडीयू के मुख्य टिकट निरीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार से मोबाइल 9651450139 पर संपर्क कर सकते हैं।

फतेहपुर में जनसेवा के संकल्प संग मनाया स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का जन्मदिन

केक काटकर दी दीघार्यु और उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामनाएं

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड में सोमवार को जनता दल (यूनाइटेड) नेताओं और कार्यकताओं ने पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष रणविजय कुमार की अध्यक्षता में बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का जन्मदिन उत्साहपूर्ण माहौल में मनाया। इस अवसर पर केक काटकर उनके स्वस्थ, दीघार्यु एवं सफल सार्वजनिक जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम में मौजूद नेताओं और कार्यकताओं ने स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आम लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। समारोह के दौरान कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। वक्ताओं ने कहा कि जदयू कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर विकास और सेवा की भावना के साथ संगठन को और सशक्त बनाने का कार्य करेंगे।इस अवसर पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष रणविजय कुमार, पैक्स अध्यक्ष अशोक कुमार, मीडिया प्रकोष्ठ अध्यक्ष राहुल कुमार, मो. असलम, अरविंद साव, मो. मिन्हाज समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

संपादकीय

बहुमत की सरकार जनता से डरी?

20 जुलाई को संसद का मानसून सत्र शुरू हुआ। इसके साथ ही दिल्ली की राजधानी में भयंकर बवाल देखने को मिला। जंतर मंतर पर बैठे आंदोलनकारियों ने 20 जुलाई को संसद तक मार्च करने का आह्वान किया था। सरकार ने पुलिस भेज 18 तारीख को आमरण अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को धरना स्थल से जबरिया उठवा लिया था। जंतर मंतर से लेकर संसद भवन तक पुलिस ने बड़ी मात्रा में बैरिकेट्स लगाकर कई लेयर की सुरक्षा व्यवस्था कर राजधानी को एक तरह से छावनी बना दिया। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, दिल्ली पुलिस द्वारा भारी मात्रा में पत्थर और क्षतिग्रस्त गाड़ियों को संसद मार्ग में रखा गया। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई। आंदोलनकारियों को लगा सरकार शांतिपूर्ण आंदोलन को बदनाम करने के लिए साजिश रच रही है, इससे युवा और भी भड़क गए। 20 जुलाई को सुबह आंदोलनकारी उनके माता-पिता तथा बड़ी मात्रा में आंदोलन में शामिल होने के लिए जो लोग जंतर मंतर और संसद मार्ग की ओर पहुंच रहे थे, उनको पुलिस ने जगह-जगह पर रोका, कई मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए। इसके बाद भी आंदोलन की उग्रता में कोई कमी देखने को नहीं मिली। पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए आंदोलनकारी भड़क गए। वह बेरीकेट्स को हटाकर संसद मार्ग की ओर जबरिया बढ़ने लगे। पुलिस को उन्हें रोकने के लिए काफी प्रयास करना पड़ा, इसके बाद भी जब प्रदर्शनकारी रुकने के लिए तैयार नहीं हुए, तो पुलिस ने आंदोलनकारी को गिरफ्तार करने, आंसू गैस के गोले छोड़ने तथा लाठी चार्ज करके आंदोलनकारियों को तितर-बितर करने की कोशिश की। संसद भवन में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई। इस सबके बावजूद प्रदर्शनकारी रेल भवन तक पहुंच गए। पुलिस आंदोलनकारियों को रोकने में सफल नहीं हो पाई। कई लेयर की सुरक्षा व्यवस्था होने के कारण बार-बार सुरक्षा व्यवस्था को तोड़ना आंदोलनकारियों के लिए एक बड़ी चुनौती था। इस सबके बावजूद भी जिस तरह से वह संसद भवन पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। वह उनकी नाराजगी को प्रकट करने के लिए पर्याप्त है। सरकार बार-बार दावा करती है, उसे 140 करोड़ लोगों का समर्थन प्राप्त है। वह बहुमत की चुनी हुई सरकार है। वह जनता के लिए काम कर रही है। प्रदर्शन स्थल पर आज जिस तरह से पुलिस और प्रशासन की कलई खुली है, उसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं देश भर में होने लगी हैं।

चिड़चिड़ेपन को हमें हीनता की भावना का लक्षण समझना चाहिए।
: एल्फ्रेड एडलर

मेरे विचार से विद्वानों के पत्र मानव के समस्त कथनों से श्रेष्ठ हैं।
: फ्रांसिस बेकन

भारत ने अंतरिक्ष में रचा नया इतिहास

28 वर्ष की औसत आयु वाले एक हजार वैज्ञानिकों की मेहनत रंग लाई, पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 की सफलता ने दुनिया को दिखाया भारत के नवाचार और आत्मनिर्भरता का नया आकाश

भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक और ऐसा स्वर्णिम अध्याय लिख दिया है, जिस पर प्रत्येक भारतीय गर्व कर सकता है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण केवल एक रॉकेट की उड़ान नहीं, बल्कि नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और वैज्ञानिक क्षमता की उड़ान है। इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब केवल सरकारी संस्थानों की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि निजी क्षेत्र भी अंतरिक्ष विज्ञान जैसे अत्याधुनिक क्षेत्र में विश्वस्तरीय उपलब्धियां हासिल करने की क्षमता रखता है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है जब पूरी दुनिया भारत की वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी क्षमता और तेजी से बढ़ती अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था पर नजर रखे हुए है।

विक्रम-1 मिशन की सबसे प्रेरणादायक बात यह है कि इसे तैयार करने वाली टीम की औसत आयु केवल 28 वर्ष रही। लगभग एक हजार युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों ने वर्षों तक अथक परिश्रम कर इस सपने को साकार किया। यह केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं बल्कि देश के युवाओं की प्रतिभा, समर्पण और नवाचार की शक्ति का प्रमाण है। जिस युवा पीढ़ी को कभी केवल रोजगार तलाशने वाली पीढ़ी माना जाता था, वही आज रोजगार देने वाली कंपनियां स्थापित कर विश्वस्तरीय तकनीक विकसित कर रही है। यह भारत के बदलते स्वरूप और नई सोच का सबसे बड़ा उदाहरण है।

हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस की स्थापना वर्ष 2018 में इसरो के दो पूर्व वैज्ञानिकों पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी। सरकारी नौकरी छोड़कर उन्होंने एक ऐसा सपना देखा, जिसे पूरा करना आसान नहीं था। सीमित संसाधनों, कठिन तकनीकी चुनौतियों और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच उन्होंने अपने साथ युवा वैज्ञानिकों की टीम तैयार की और आठ वर्षों की निरंतर मेहनत के बाद भारत का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट अंतरिक्ष की कक्षा में पहुंचाने में सफलता प्राप्त की। यह कहानी केवल एक स्टार्टअप की सफलता नहीं बल्कि नए भारत की उद्यमशीलता, आत्मविश्वास और नवाचार की कहानी है।

मिशन आगमन के तहत विक्रम-1 ने उड़ान भरने के बाद मात्र 15 मिनट 46 सेकंड में अपने सभी छह पेलोड को पृथ्वी से लगभग 450 किलोमीटर ऊपर निम्न पृथ्वी कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। यह मिशन तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल था क्योंकि किसी भी निजी कंपनी के लिए पहली बार ऑर्बिटल लॉन्च करना बड़ी चुनौती माना जाता है। लेकिन भारतीय वैज्ञानिकों ने इसे सफल बनाकर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अब केवल अंतरिक्ष मिशनों में भागीदार नहीं बल्कि नेतृत्व करने की क्षमता भी रखता है।

विक्रम-1 अत्याधुनिक तकनीक से लैस रॉकेट है। इसका मुख्य ढांचा हल्के लेकिन अत्यंत मजबूत कार्बन कंपोजिट से तैयार किया गया है जिससे इसका वजन कम और क्षमता अधिक बनी रहती है। इसके ऊपरी चरण में पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित त्रि-आयामी मुद्रित द्रव इंजन का उपयोग किया गया है। यह तकनीक निर्माण समय और लागत दोनों को कम करती है तथा भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों को अधिक किफायती बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लगभग 350 किलोग्राम तक के छोटे उपग्रहों को निम्न पृथ्वी कक्षा में स्थापित करने की इसकी क्षमता भारत के लिए अंतरिक्ष व्यवसाय के नए अवसर खोलती है।

इस मिशन के साथ भेजे गए छह पेलोड भी भारत की वैज्ञानिक सोच और नवाचार का परिचय देते हैं। इनमें अंतरिक्ष में रोबोटिक तकनीक का परीक्षण करने वाला उपकरण, भविष्य के उपग्रहों के लिए नई प्रणालियों का परीक्षण करने वाला क्यूबसैट, नई अंतरिक्ष तकनीकों के सत्यापन हेतु परीक्षण उपग्रह, उपग्रह पृथक्करण प्रणाली की जांच करने वाला यंत्र, स्वर्ण और हीरों से निर्मित विशेष अंतरिक्ष कला तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हस्तलिखित संदेश शामिल था। इन पेलोड ने यह दशार्या कि भारत विज्ञान के साथ संस्कृति, नवाचार और रचनात्मकता का भी सुंदर समन्वय कर रहा है।

इस सफलता के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है जहां निजी कंपनियां स्वयं ऑर्बिटल रॉकेट विकसित कर अंतरिक्ष में सफल प्रक्षेपण करने में सक्षम हैं। अब तक यह उपलब्धि मुख्य रूप से अमेरिका और चीन जैसे देशों के पास थी। भारत का इस सूची में शामिल होना केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति बनने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की विश्वसनीयता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिशन की सफलता पर स्काईरूट एयरोस्पेस की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए नए युग की शुरूआत है। उन्होंने वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भारत आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष क्षेत्र में और भी बड़े लक्ष्य हासिल करेगा। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भी इसे भारत की बढ़ती स्पेस इकोनॉमी और वैज्ञानिक क्षमता का महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। इन प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट है कि सरकार निजी क्षेत्र और वैज्ञानिक नवाचार को लगातार प्रोत्साहित कर रही है।

आज भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र केवल वैज्ञानिक अनुसंधान तक सीमित नहीं रहा। यह देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग, रोजगार, रक्षा, संचार, कृषि, मौसम पूवार्नुमान और आपदा प्रबंधन जैसे अनेक क्षेत्रों की आधारशिला बन चुका है। निजी कंपनियों की भागीदारी से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, नई तकनीकों का विकास होगा, निवेश आकर्षित होगा और हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इससे भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और देश वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में मजबूत हिस्सेदारी प्राप्त कर सकेगा।

इस उपलब्धि का सबसे प्रेरणादायक पक्ष यह है कि इसे युवा भारत ने संभव बनाया है। औसतन 28 वर्ष की आयु वाले वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया कि अवसर, विश्वास और सही दिशा मिलने पर भारतीय युवा किसी भी चुनौती को सफलता में बदल सकते हैं। यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और विज्ञान, अनुसंधान तथा नवाचार के प्रति युवाओं का आकर्षण और बढ़ाएगी। देश के लाखों विद्यार्थी अब अंतरिक्ष विज्ञान को केवल सपना नहीं बल्कि अपने भविष्य के रूप में देख सकेंगे।

भारत पिछले कुछ वर्षों में चंद्रयान, आदित्य-एल1, गगनयान की तैयारी, छोटे उपग्रह प्रक्षेपण और अब निजी ऑर्बिटल रॉकेट जैसी उपलब्धियों के माध्यम से लगातार विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत विकास के पदचिन्हों पर उत्तरोत्तर आगे बढ़ रहा है। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में हो रही ये उपलब्धियां केवल देश की प्रतिष्ठा नहीं बढ़ा रहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी मजबूत कर रही हैं।

आज विश्व की निगाहें भारत पर टिकी हैं। वैश्विक निवेशक भारतीय स्टार्टअप्स पर भरोसा जता रहे हैं। दुनिया की बड़ी कंपनियां भारत के साथ साझेदारी करना चाहती हैं। अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा निर्माण और नवाचार जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से अग्रणी देशों की श्रेणी में पहुंच रहा है। विक्रम-1 की सफलता ने यह संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचा दिया है कि भारत केवल भविष्य की संभावनाओं वाला देश नहीं, बल्कि भविष्य का नेतृत्व करने वाला देश बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ चुका है।

विक्रम-1 की उड़ान वास्तव में नए भारत के आत्मविश्वास की उड़ान है। यह उस राष्ट्र की कहानी है जिसने सीमित संसाधनों से शुरूआत कर विज्ञान के आकाश में अपनी अलग पहचान बनाई। एक हजार युवा वैज्ञानिकों की वर्षों की तपस्या ने यह सिद्ध कर दिया कि जब प्रतिभा, परिश्रम और संकल्प एक साथ चलते हैं तो इतिहास बनता है। आने वाले वर्षों में भारत अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में और भी अनेक कीर्तिमान स्थापित करेगा तथा विश्व मंच पर अपनी वैज्ञानिक शक्ति का परचम और अधिक ऊंचा लहराएगा। यही विकसित भारत की दिशा है, यही नए भारत की पहचान है और यही उस उज्ज्वल भविष्य का संकेत है जिसकी ओर पूरा राष्ट्र आत्मविश्वास के साथ बढ़ रहा है।

कांतिलाल मांडोत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आधुनिकता की अंधी दौड़ में सड़ती हमारी जड़ें

सभ्यताएं केवल ईंट, पत्थरों और कंक्रीट के गगनचुंबी अट्टालिकाओं से निर्मित नहीं होतीं। उनका वास्तविक प्राणतत्व उनकी संस्कृति, नैतिक मूल्य, जीवन दर्शन और वे शाश्वत परंपराएं हैं जो पीढ़ी दर पीढ़ी समाज को जीवंत और अनुशासित रखती हैं। भारतीय वांग्मय में संस्कृति को चित्त की शुद्धि और सामूहिक अभ्युदय का साधन माना गया है। किंतु वर्तमान इक्कीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में, वैश्वीकरण और अनियंत्रित उपभोक्तावाद की आंधी ने हमारी उस अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर को इस सीमा तक झकझोर दिया है कि आज समाज में चारों ओर सांस्कृतिक अवक्षय का विद्रूप प्रदर्शन अत्यंत नग्न और भयावह रूप में दिखाई दे रहा है। यह अवक्षय किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने हमारे धर्म, भाषा, पारिवारिक संबंधों, कला और मानवीय संवेदनाओं को अपनी चपेट में ले लिया है।

सनातन संस्कृति का मूल केंद्र त्याग और अपरिग्रह रहा है, किंतु आज धर्म और आध्यात्मिकता का स्वरूप विकृत होकर विशुद्ध व्यावसायिकता में बदल चुका है। ईश्वर के प्रति अगाध श्रद्धा का स्थान अब धार्मिक पर्यटन और सोशल मीडिया रील्स ने ले लिया है। गर्भगृहों की शांति और शुचिता पर आधुनिक तकनीकों और कैमरों का अनियंत्रित आक्रमण इसका सबसे बड़ा विद्रूप है। जैसा कि हाल के वर्षों में देखा गया है, मंदिरों में चढ़ावे और प्राचीन मूर्तियों की चोरी की बाढ़ आ गई है। जब समाज ईश्वर के विग्रह को साक्षात चैतन्य न मानकर केवल एक मूल्यवान धातु या धनार्जन का साधन समझने लगे, तो वह सांस्कृतिक मृत्यु का कालखंड होता है। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति की संवाहिका होती है। संस्कृत निष्ठ हिंदी और क्षेत्रीय बोलियों की कोख से उपजे संस्कार आज दम तोड़ रहे हैं। आधुनिक दिखने की होड़ में युवा पीढ़ी न तो पूर्णतः अंग्रेजी सीख पा रही है और न ही अपनी मातृभाषा के प्रति गौरव का अनुभव करती है। हिंग्लिश के नाम पर जो भाषाई खिचड़ी परोसी जा रही है, उसने हमारे साहित्य और लोक-संस्कृति के रस को सुखा दिया है। भाषा बदलने से विचार बदलते हैं। जब प्रणाम और चरणस्पर्श का स्थान यांत्रिक हाय-बाय ले लेता है, तो रिश्तों की ऊष्मा और बड़ों के प्रति आदर का भाव स्वतः ही विलीन हो जाता है।वसुधैव कुटुम्बकम् और संयुक्त परिवार की अवधारणा भारतीय समाज की रीढ़ थी। आज उपभोक्तावादी संस्कृति ने मनुष्य को अत्यधिक आत्मकेंद्रित बना दिया है। माता-पिता को देवतुल्य मानने वाली संस्कृति में वृद्धाश्रमों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि समाज के माथे पर कलंक है। यह इस बात का जीवंत प्रमाण है कि हमारी चेतना कितनी संवेदनहीन हो चुकी है। विवाह जैसे पवित्र और सात जन्मों के अटूट बंधन को आज एक अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) की तरह देखा जाने लगा है। सहनशीलता के अभाव और त्वरित आत्म-संतुष्टि की चाह ने पारिवारिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दिया है।

सांस्कृतिक अवक्षय का सबसे घिनौना और विद्रूप प्रदर्शन आज डिजिटल पटल (इंटरनेट और सोशल मीडिया) पर दिखाई देता है। कला, संगीत और सिनेमा, जो कभी समाज को दिशा दिखाते थे, आज केवल व्यूज और लाइक बटोरने के सस्ते साधन बन गए हैं। रील्स और शॉर्ट्स के इस युग में सरेराह फूहड़ता का प्रदर्शन करने को स्वतंत्रता और आधुनिकता का नाम दिया जा रहा है। ज्ञान और गंभीर चिंतन का स्थान 15 सेकंड के सतही और भ्रामक वीडियोज ने ले लिया है। युवा पीढ़ी वैचारिक रूप से खोखली और मानसिक रूप से अवसादग्रस्त हो रही है। इस सांस्कृतिक अंधकार से निकलने का एकमात्र मार्ग अपनी जड़ों की ओर लौटना है। इसके लिए मूल्य आधारित शिक्षा, सामूहिक उत्तरदायित्व, स्वाभिमान का जागरण जैसे आवश्यक कदम अनिवार्य रूप से उठाये जाने की सख्त जरूरत है।

शिक्षा प्रणाली में केवल व्यावसायिक कौशल नहीं, बल्कि नैतिक, चारित्रिक और सांस्कृतिक मूल्यों का समावेश अनिवार्य रूप से किया जाए। बौद्धिक वर्ग, अभिभावकों और सामाजिक संस्थाओं को आगे आकर फूहड़ता का बहिष्कार करना होगा और अपनी गौरवशाली परंपराओं को आधुनिक संदर्भों में प्रासंगिक बनाकर युवा पीढ़ी के सम्मुख प्रस्तुत करना होगा। जब तक हम अपनी भाषा, भेष और भोजन पर गर्व करना नहीं सीखेंगे, तब तक हम पश्चिम के इस मानसिक उपनिवेशवाद से मुक्त नहीं हो सकते। सांस्कृतिक अवक्षय का यह विद्रूप प्रदर्शन वास्तव में हमारी सामूहिक अकर्मण्यता और आत्मविस्मृति का परिणाम है। यदि हम अब भी नहीं जागे, तो हम एक ऐसी यांत्रिक और संवेदनहीन सभ्यता में बदल जाएंगे जिसके पास शरीर तो होगा, किंतु उसकी आत्मा मर चुकी होगी। शाश्वत सत्य यही है कि जो समाज अपनी संस्कृति को सुरक्षित नहीं रख पाता, इतिहास के पन्नों से उसका अस्तित्व ही मिट जाता है। अपनी अस्मिता की रक्षा हेतु सांस्कृतिक पुनर्जागरण का यह शंखनाद आज समय की सबसे बड़ी पुकार है।

उल्लेखनीय है कि सांस्कृतिक अवक्षय और देवालयों में बढ़ती चौर्य वृत्तियों का यह विद्रूप परिदृश्य वास्तव में किसी सभ्यता के ढहते हुए कंगूरों का चेतावनी गीत है। पाश्चात्य अंधानुकरण, अनियंत्रित अर्थ-लिप्सा और अभूतपूर्व भौतिकवादी आकांक्षाओं ने मानव को अपनी ही जड़ों को काटने वाले कुल्हाड़े में परिवर्तित कर दिया है। जब समाज अपने आराध्य की संपदा में केवल धातु और अपनी गौरवशाली संस्कृति में केवल पुरातनता देखने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि संकट केवल व्यवस्था का नहीं, अपितु अंतःकरण की चेतना का है। किंतु, सनातन का इतिहास साक्षी है कि विकृतियों के घने अंधकार के पश्चात ही सुधार का अरुणोदय होता है। यह अवक्षय अंतिम सत्य नहीं है; यह केवल एक संक्रमण काल है जो जनमानस को आत्म अवलोकन और पुनर्जागरण के लिए विवश कर रहा है। इस सांस्कृतिक अंधकूप से निकलने का मार्ग किसी बाहरी चमत्कार से नहीं, वरन सामूहिक आत्म बोध से प्रशस्त होगा। राज्य सरकारों को देवालयों को मात्र राजस्व संग्रहण का साधन समझना बंद कर, उनकी आध्यात्मिक शुचिता और अभेद्य सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। समाज को अपनी भाषा, पारिवारिक मयार्दाओं और नैतिक मूल्यों को आधुनिकता की वेदी पर बलि चढ़ाने से रोकना होगा। नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना केवल माता-पिता का नहीं, अपितु संपूर्ण सामाजिक परिवेश का दायित्व है। ₹धर्मो रक्षति रक्षितः₹ का शाश्वत सत्य आज भी उतना ही अकाट्य है जितना सतयुग में था। यदि हम अपनी संस्कृति, अपने देवस्थानों और अपनी नैतिक संप्रभुता की रक्षा के लिए सन्नद्ध नहीं होंगे, तो आने वाला इतिहास हमें कभी क्षमा नहीं करेगा। भौतिक समृद्धि आवश्यक है, परंतु वह जब तक नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के अंकुश में न हो, तब तक वह केवल विनाश को आमंत्रण देती है। अतः समय की पुकार है कि हम आधुनिकता और परंपरा के मध्य एक ऐसा सुदृढ़ सेतु निर्मित करें जहां तकनीक हमारी सुरक्षा करे और संस्कार हमारी चेतना को आलोकित करें। भारतीय संस्कृति की अमरता इसी समन्वय में निहित है, और यही इस देश की शाश्वत नियति भी है।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7579

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7578 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

दैनिक पंचांग

21 जुलाई को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.07 बजे से
चंद्र	कन्या में	सिंह	07.27 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	09.39 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	11.50 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.05 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	16.21 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.26 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.12 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.45 बजे से
		मेष	23.15 बजे से
		वृष	00.56 बजे से
		मिथुन	02.54 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

मंगलवार 2026 वर्ष का 202 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** अष्टमी 05.17 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 20.49 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 18.26 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 16.36 बजे तदनन्तर बव 05.17 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 6.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 30'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872777
जूलियन दिन 2461242.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर
तारीख 06
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी, पार्वती जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

विक्रम-1 की सफलता के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ा भारत का दबदबा

निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 की सफलता के पश्चात भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी क्षेत्र में आर्बिटल स्थापित करने वाला विश्व का तीसरा देश बन चुका है।18 जुलाई को श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण के पांचवें चरण में 450 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी के निचली कक्षा में उपग्रह उपकरण को स्थापित कर विक्रम-1 ने विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। इस सफलता के साथ भारत दुनिया में लघु उपग्रह के प्रक्षेपण को पूर्ण करने में नये विकल्प के रूप में उभरा है।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूवार्नुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे समय में भारत ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, स्वदेशी तकनीक और दूरदर्शी नीतियों के बल पर जिस प्रकार अंतरिक्ष क्षेत्र में निरंतर सफलता अर्जित की है, वह न केवल प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह संकेत भी है कि भारत अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 प्रक्षेपण यान की सफलता इस यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन और आधुनिक तकनीक से निर्मित इस प्रक्षेपण यान ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की निजी कंपनियाँ भी अब वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकसित करने में सक्षम हैं। विक्रम-1 ने पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक उपग्रह उपकरण स्थापित कर न केवल अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि भारत अब लघु उपग्रह प्रक्षेपण के वैश्विक बाजार में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभर रहा है।यह उपलब्धि केवल एक रॉकेट की सफलता भर नहीं है, बल्कि भारत की बदलती अंतरिक्ष नीति और वैज्ञानिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। वर्षों तक अंतरिक्ष गतिविधियाँ मुख्यतः सरकारी संस्थानों तक सीमित थीं, किंतु अब निजी क्षेत्र के लिए दरवाजे खुलने के बाद भारतीय स्टार्टअप नई ऊर्जा और नवाचार के साथ इस क्षेत्र में उतर रहे हैं। इससे अनुसंधान, रोजगार, निवेश और तकनीकी विकास के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती निजी भागीदारी भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अधिक सक्षम बना रही है।वर्ष 2014 के आसपास जहाँ भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ी निजी कंपनियाँ उँगलियों पर गिनी जा सकती थीं, वहीं आज उनकी संख्या सैकड़ों तक पहुँच चुकी है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि सोच का भी है। आज भारतीय युवा अंतरिक्ष विज्ञान को केवल सरकारी नौकरी के रूप में नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के विशाल अवसर के रूप में देख रहे हैं। यही कारण है कि भारत वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी लगातार बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है। आने वाले वर्षों में लघु उपग्रह प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष संचार, पृथ्वी अवलोकन सेवाओं तथा अंतरिक्ष-आधारित डिजिटल तकनीकों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने की संभावना है।

हालाँकि भारत की अंतरिक्ष यात्रा केवल निजी क्षेत्र की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (क्रफ्ढ) ने पिछले छह दशकों में जो विश्वास अर्जित किया है, वही आज इस सफलता की सबसे मजबूत नींव है। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो ने विश्व को बार-बार यह दिखाया है कि इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर तकनीक के बल पर असंभव लगने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

वर्ष 2013 में प्रक्षेपित मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन) ने भारत को पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह की कक्षा में पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना दिया। यह उपलब्धि वैज्ञानिक दृष्टि से जितनी महत्वपूर्ण थी, उतनी ही आर्थिक दृष्टि से भी, क्योंकि अत्यंत कम लागत में इस मिशन की सफलता ने भारत की दक्षता का विश्वभर में लोहा मनवाया।

इसी प्रकार ढरछश्र-उ37 द्वारा एक ही मिशन में 104 उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण विश्व रिकॉर्ड बना। इस उपलब्धि ने भारतीय प्रक्षेपण प्रणाली की विश्वसनीयता और क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। इसके बाद चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। भारत ऐसा करने वाला विश्व का पहला देश बना। इस उपलब्धि ने न केवल भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा को विश्व के सामने स्थापित किया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि भारत जटिलतम अंतरिक्ष अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम है।

इसी क्रम में आदित्य-एल1 मिशन भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान को नई दिशा प्रदान कर रहा है। सूर्य के अध्ययन के लिए समर्पित यह भारत का पहला मिशन है, जो सौर गतिविधियों, अंतरिक्ष मौसम और पृथ्वी पर उनके प्रभावों को समझने में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध करा रहा है। भविष्य में गगनयान, शुक्रयान तथा अन्य महत्त्वाकांक्षी मिशन भारत की वैज्ञानिक क्षमता को और अधिक विस्तार देंगे।

अंतरिक्ष विज्ञान की ये उपलब्धियाँ केवल वैज्ञानिक गौरव तक सीमित नहीं हैं। आज भारत के उपग्रह करोड़ों लोगों के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहे हैं। मौसम की सटीक जानकारी किसानों को खेती में सहायता देती है। चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी लाखों लोगों की जान बचाने में सहायक होती है। दूरदराज क्षेत्रों तक संचार और इंटरनेट सेवाएँ पहुँचाने, शिक्षा और टेलीमेडिसिन को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में भी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

आर्थिक दृष्टि से भी अंतरिक्ष उद्योग भविष्य का सबसे तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र माना जा रहा है। वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर के इस बाजार में भारत की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। निजी कंपनियों, स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थानों और इसरो के बीच बढ़ता सहयोग भारत को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बना सकता है। इससे निवेश, रोजगार, तकनीकी नवाचार और निर्यात के नए अवसर पैदा होंगे तथा भारत की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

आज भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को वास्तविक स्वरूप प्रदान कर रहा है। स्वदेशी तकनीक, युवा वैज्ञानिकों की प्रतिभा, निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी और इसरो का दशकों का अनुभव–ये सभी मिलकर भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के एक नए स्वर्णिम युग की ओर ले जा रहे हैं। विक्रम-1 की सफलता इस परिवर्तन की सशक्त घोषणा है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष अभियानों में भाग लेने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग की दिशा निर्धारित करने वाले देशों की पंक्ति में खड़ा है।

विनोद कुमार विक्की

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नेपाल सरकार ने मानसून आपदा प्रभावित क्षेत्रों में वाहनों के संचालन पर रोक लगाई

काठमांडू। बाढ़, भूस्खलन और जलभराव के बढ़ते खतरे को देखते हुए नेपाल सरकार ने मानसून से प्रभावित क्षेत्रों में वाहनों के संचालन पर रोक लगा दी है। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं व्यवस्थापन प्राधिकरण ने जल तथा मौसम विज्ञान विभाग ने देश के ३५ जिलों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी किए जाने के बाद अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। प्राधिकरण के कार्यवाहक प्रमुख कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार कोइराला ने बताया कि यह निर्णय विशेष रूप से भूस्खलन और बाढ़ की आशंका वाले सड़क खंडों पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा जोखिम को देखते हुए हमने भूस्खलन प्रभावित जिलों में वाहनों का संचालन नहीं करने का अनुरोध किया था। आज भी वास्तविक मौसम और सड़क की स्थिति का आकलन करने के बाद ही वाहनों को चलाने की अनुमति दी जाएगी। कोइराला ने बताया कि प्राधिकरण सुरक्षा निकायों, स्थानीय प्रशासन और सड़क विभाग के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है। राजमार्गों और अन्य सड़कों पर वाहन संचालन की अनुमति तभी दी जाएगी, जब संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित कर देंगे कि परिस्थितियां पूरी तरह सुरक्षित हैं।प्राधिकरण ने आम नागरिकों से यात्रा से पहले मौसम और सड़क संबंधी आधिकारिक परामर्श का पालन करने, उच्च जोखिम वाले मार्गों पर अनावश्यक यात्रा से बचने तथा स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

नेपाल की जनता को नुकसान देने वाले फैसले रातोंरात बदले जाएंगे : लामिछाने

काठमांडू। नेपाल में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने कहा है कि यदि सरकार के किसी फैसले से जनता को बड़ा नुकसान होता है, तो उसे रातोंरात बदला जा सकता है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि यह कोई अपरिवर्तनीय नीति नहीं है। जरूरत पड़ने पर बदलाव किया जाएगा। सरकार को थोड़ा समय और धैर्य दीजिए। लामिछाने ने कहा कि सरकार जिस उद्देश्य से निर्णय लेती है, यदि वही निर्णय जनता के लिए नुकसानदायक साबित होता है, तो उसे बदला जाएगा। इसमें चिंता की कोई बात नहीं है, लेकिन हमें सरकार को थोड़ा समय देना होगा। उन्होंने आगे कहा कि कई बार किसी नीति को लागू करने के दौरान व्यावहारिक कठिनाइयां सामने आती हैं। यदि किसी निर्णय से व्यापक नुकसान होता है, तो उसे तत्काल बदलना आवश्यक हो जाता है। पार्टी के सांसदों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रविवार को सीमा क्षेत्र के लोगों को सरकार के हालिया फैसलों, विशेषकर 100 रुपये की सीमा और अन्य प्रावधानों के कारण हो रही परेशानियों से अवगत कराया। उन्होंने इन मुद्दों के समाधान के लिए रवि लामिछाने से पहल करने का आग्रह किया।कार्यकर्ताओं की शिकायतें सुनने के बाद लामिछाने ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह का बचाव करते हुए कहा कि सरकार की मंशा गलत नहीं है। उन्होंने कहा, "निर्णयों में गलती हो सकती है और उन्हें सुधारा जा सकता है, लेकिन यदि नीयत ही खराब हो, तो उसे सुधारना कठिन होता है।" उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि किसानों के हित में लिया गया कोई निर्णय व्यवहार में किसानों के ही खिलाफ साबित होता है, तो उसमें सुधार किया जा सकता है। लामिछाने ने कहा कि नेतृत्व किसी विशेष उद्देश्य से निर्णय लेता है, लेकिन उसके क्रियान्वयन के दौरान चुनौतियां आ सकती हैं। उन्होंने कहा कि चुनौतियों के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं है कि सब कुछ खत्म हो गया। यदि कोई भी सरकारी नीति किसानों, मजदूरों, गरीबों या वंचित वर्ग के लिए परेशानी का कारण बनती है, तो उसे बदला जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने श्री हरिमंदिर साहिब में टेका माथा

अमृतसर। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान रविवार को अमृतसर स्थित सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब पहुंचे। उन्होंने गुरु घर में नतमस्तक होकर देश-दुनिया की खुशहाली और सरबत के भले के लिए अरदास की। इस दौरान उन्होंने सम्मान स्वरूप पगड़ी भी सजाई। मीडिया से बातचीत करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि श्री हरिमंदिर साहिब आने पर उन्हें हमेशा विशेष आध्यात्मिक ऊर्जा और मानसिक शांति का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों में सकारात्मक शक्ति तथा सही दिशा की पहले से अधिक आवश्यकता है। इसी कामना के साथ वह गुरु घर में अरदास करने पहुंचे हैं। चिराग पासवान ने कहा कि उनके पिता और लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान उनके आदर्श तथा

राजनीतिक प्रेरणास्रोत हैं। पार्टी उनके बताए मार्ग पर चलते हुए देशभर में अपने संगठन का विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब में भी पार्टी नई सोच, विकास और जनहित के मुद्दों के साथ लोगों के बीच जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब को लंबे समय से उसका अपेक्षित अधिकार और विकास का हिस्सा नहीं मिल पाया। कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इन दलों की सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरीं। जंतर-मंतर पर केंद्र सरकार के खिलाफ जारी प्रदर्शन के संबंध में पूछे गए सवाल पर चिराग पासवान ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने और विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। हालांकि, किसी भी समस्या का स्थायी और व्यावहारिक समाधान केवल आंदोलन से नहीं, बल्कि सरकार और संबंधित पक्षों के बीच सार्थक संवाद से ही निकल सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाने और आवश्यक सुधार करने की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता।

भारत में शिक्षा पूर्णतया निःशुल्क थी, अंग्रेजों ने लगाया शुल्क : डॉ. कृष्ण गोपाल

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने एक संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहाकि भारत में शिक्षा पूर्णतया निःशुल्क थी। छात्रों को भोजन,वस्त्र,औषधि व पुस्तकें गुरूकुल में निःशुल्क प्राप्त होती थीं। शिक्षा में शुल्क लगाने का काम अंग्रेजों ने किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में शिक्षा का स्वरूप भिन्न दिशा में जा रहा है। आज देश में बड़े-बड़े हाइवे व एयरपोर्ट बन रहे हैं,लेकिन 80 प्रतिशत समाज उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम नहीं है। इससे समाज में असंतोष उत्पन्न होता है। वह रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में महामना शिक्षण संस्थान के नूतन सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि भारत में आर्थिक व भौतिक उन्नति पर्याप्त थी। दुनिया को व्याकरण,अक्षर ज्ञान, दशमलव, गणित, त्रिकोणमिति, नक्षत्रों की गणना करना, दुनिया को कपड़ा पहनना भारत ने सिखाया। दुनिया में सबसे पहले जहाज भारत ने बनाया। सह सरकार्यवाह ने कहा कि भारत के प्रत्येक गांव में विद्यालय थे। नालंदा,तक्षशिला व विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालय भारत में थे जहां अनेक देशों के विद्यार्थी पढ़ने आते थे। इस्लाम के आक्रमण ने हमारे संस्थानों को नष्ट किया। जब अंग्रेज आये तो उन्होंने भारत की शिक्षा को ही प्रतिबंधित कर दिया। देखते ही देखते भारत निरक्षर देश में बदल गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईआईटी लखनऊ के निदेशक प्रो. अरूण मोहन शेरी ने कहा कि महामना शिक्षण संस्थान समाज को बदलने और समाज को दिशा देने का काम कर रहा है। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों में तनाव व आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में थोड़ा बदलाव की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति दुर्ग सिंह चौहान ने कहा कि शिष्टाचार की जननी माँ होती है। माता—पिता से ही बेटा सीखता है। उन्होंने कहा कि देश की समस्याओं का समाधान शिक्षा में ही है। पौराणिक संस्कारों से ही भारत खड़ा होगा। डॉ. अणिमा जामवाल ने बताया कि महामना पंडित मदन मोहन मालवीय और भाऊराव देवरस इन दो महापुरूषों की प्रेरणा से महामना मालवीय शिक्षण संस्थान चल रहा है।

पेपर लीक के विरोध में आज संसद मार्च करेगा सीजेपी

एजेंसी, नई दिल्ली

परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के मामलों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर आंदोलन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकालने की घोषणा की है। पार्टी प्रमुख अभिजीत दीपके ने प्रस्तावित मार्च में बड़ी संख्या में शामिल होने के लिए समर्थकों से जंतर-मंतर पहुंचने की अपील करते हुए आंदोलन को पूरी तरह शांतिपूर्ण बनाए रखने का आह्वान किया है। दीपके ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी संदेश में कहा कि सभी समर्थक लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाएं और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या उकसावे से दूर रहें। उन्होंने कहा कि पार्टी का विरोध प्रदर्शन और संसद मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा।

उन्होंने कहा, "मैं सभी समर्थकों से जंतर-मंतर पहुंचने की अपील करता हूं। हमारा विरोध प्रदर्शन और मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा। यदि कोई व्यक्ति किसी प्रकार की गड़बड़ी करता है या नकारात्मक नारेबाजी करता है, तो वह न तो सोनम सर (सोनम वांगचुक) का समर्थक है और न ही सीजेपी का।" गौरतलब है कि पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक पिछले 20 दिनों से जंतर-मंतर पर अनशन कर रहे थे। शनिवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। इस घटनाक्रम के बाद आंदोलन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां और तेज हो गई हैं।

इस बीच दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के सोशल मीडिया अभियान और प्रस्तावित प्रदर्शन से जुड़े कुछ मामलों में भी कार्रवाई की है। राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और पुलिस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। सीजेपी के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर जारी धरना-प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य परीक्षा प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग है। पार्टी का आरोप है कि लगातार हो रही परीक्षा अनियमितताओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है और सरकार इस मुद्दे पर जवाबदेही तय करने में विफल रही है।

♦ अभिजीत दीपके ने समर्थकों से की शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील

इसी क्रम में सीजेपी ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकालने का आह्वान किया है। पार्टी का कहना है कि यह मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किया जाएगा तथा सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

ड्रग्स तस्कर, उग्रवादी और रंगदारी वसूलने के आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर में बीते 24 घंटे में सुरक्षा बलों ने विभिन्न जिलों में लगातार अभियान चलाकर ड्रग्स तस्करों, उग्रवादियों और रंगदारी वसूलने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान भारी मात्रा में मादक पदार्थ, हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए।

'वार ऑन ड्रग्स' अभियान के तहत 18 जुलाई को सुरक्षा बलों ने खुमान लम्पाक क्षेत्र से मोहम्मद युसुब उर्फ काकी उर्फ जाकिर (41) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से लगभग 6.2 किलोग्राम क्रिस्टल मेथामफेटामाइन (आइस ड्रग्स) के छह पैकेट और एक टीवीएस जुपिटर स्कूटर बरामद किया गया।

इसी दिन इंफाल पूर्व जिले के हेंगांग थाना क्षेत्र से यूआरएफ (यूनाइटेड रिवोल्यूशनरी फ्रंट) के सक्रिय उग्रवादी मोहम्मद लेहिमुद्दीन उर्फ यांगबा (37) को भी गिरफ्तार किया गया। चुराचांदपुर जिले के थिंगकांगफाई गांव में सुरक्षा बलों ने एक बोलेरो वाहन की तलाशी के दौरान ब्राउन शुगर होने के संदेह वाले 81 साबुनदानी पैकेट बरामद किए। वाहन चालक मंगखानथांग किपगेन (33) को गिरफ्तार किया गया। वह डीआरआई के कई एनडीपीएस मामलों में वांछित बताया जा रहा है।

छह नगा व्यक्तियों के अपहरण और हत्या के मामले की जांच के दौरान एनआईए, मणिपुर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने लुंगौलाल वैफेई और लुनमिनथांग सितल्हौ उर्फ जैक को गिरफ्तार किया। मामले से जुड़े अन्य आरोपितों की तलाश जारी है।

कांगपोकपी जिले के कोटलेन स्थित जीरो प्वाइंट क्षेत्र से सुरक्षा बलों ने हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया। बरामद सामान में एक .22 राइफल, 15 सिंगल बैरल राइफलें, तीन 9 एमएम पिस्तौल, एक .22 पिस्तौल, पांच इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, 107 जीवित कारतूस, 205 खाली कारतूस, चार मोटोरोला बैटरियां और एक पीईके शामिल हैं।

पुलिस पर हमला कर भागने की कोशिश में हिस्ट्रीशीटर करुप्पु के पैर में लगी गोली, गिरफ्तार

एजेंसी, चेन्नई

चेन्नई पुलिस ने 19 आपराधिक मामलों में वांछित 'ए' श्रेणी के हिस्ट्रीशीटर करुप्पु उर्फ तमिल अलगु को पुलिस पर हमला कर फरार होने की कोशिश के दौरान पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से देसी बम बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी बरामद की गई है। घटना के दौरान एक मुख्य आरक्षक भी घायल हो गया, जिसका उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

पुलिस के अनुसार, चेन्नई के कुंद्रथुर के निकट तिरुमुडिवाक्कम क्षेत्र निवासी करुप्पु उर्फ तमिल अलगु लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय है। उसके खिलाफ दो हत्या के मामलों सहित कुल 19 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह पुलिस की 'ए' श्रेणी के हिस्ट्रीशीटरों की सूची में शामिल है। करुप्पु पर रंगदारी मांगने, लोगों को धमकाने, अवैध कट्टा पंचायत चलाने, जान से मारने की धमकी देने और अन्य गंभीर अपराधों में संलिप्त रहने के आरोप हैं।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुंद्रथुर क्षेत्र में एक निजी कॉलेज के पीछे स्थित खाली मैदान में करुप्पु गांजा बेच रहा है। सूचना के आधार पर तिरुमुडिवाक्कम पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर आरोपित को पकड़ने का प्रयास किया।

छापेमारी के दौरान पुलिस को पता चला कि करुप्पु अपने साथी ओटेरी निवासी आकाश उर्फ सूर्या के साथ मिलकर देसी बम तैयार कर रहा था। पुलिस टीम को देखते ही करुप्पु ने कथित तौर पर तैयार किए गए देसी बम पुलिसकर्मियों की ओर फेंकने का प्रयास किया और मौके से भागने की कोशिश की।

मप्र के पन्ना में 'चिता आंदोलन' पर पुलिस की कार्रवाई, 300 आंदोलनकारी हिरासत में

एजेंसी, भोपाल/पन्ना

मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में चल रहे सिंचाई परियोजनाओं में भ्रष्टाचार और पुनर्वास के मुद्दों को लेकर 'चिता आंदोलन' के 17वें दिन रविवार तड़के पुलिस ने आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमित भटनागर सहित लगभग 300 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। दरअसल, प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट और अन्य सिंचाई परियोजनाओं के विरोध में बीते 16 दिनों से चिता आंदोलन चल रहा है। आज 17वें दिन पन्ना और छतरपुर जिले की सीमा पर कुपी गांव के पास बनाला नदी पर निर्माणाधीन पुल के निकट चल रहे चिता आंदोलन के मंच को रविवार तड़के पुलिस और प्रशासन ने घेर लिया। सुबह करीब 5 बजे भारी पुलिस बल ने पूरे आंदोलन स्थल की घेराबंदी कर दी और वहां सो रहे प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेना शुरू कर दिया।

आंदोलनकारियों का दावा है कि पुलिस ने बर्बरतापूर्वक कार्रवाई करते हुए 250 से 300 लोगों को हिरासत में लेकर गाड़ियों में भर लिया। बताया गया कि पिछले 14 दिनों से बिना अन्न-जल के आमरण अनशन पर बैठे अमित भटनागर की हालत बिगड़ने के कारण पुलिस उन्हें मेडिकल जांच के लिए अपने साथ ले गई, लेकिन उन्हें किस अस्पताल या स्थान पर रखा गया है। फिलहाल इसकी जानकारी प्रशासन ने नहीं दी है।

आंदोलन से जुड़ीं विजावर नगर परिषद की पार्षद और एलएलबी की छात्रा दिव्या अहिरवार ने एक वीडियो संदेश जारी कर पुलिस कार्रवाई पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। दिव्या का आरोप है कि अमित भटनागर रविवार दोपहर को सिंचाई परियोजनाओं में हुए भ्रष्टाचार से जुड़े अहम सरकारी दस्तावेज सार्वजनिक करने वाले थे, जिससे घबराकर प्रशासन ने सुबह तड़के यह दमनकारी कदम उठाया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक तरीके से हो रहे शांतिपूर्ण विरोध को कुचलने का प्रयास बताया है।

♦ 14 दिन से आमरण अनशन पर बैठे भटनागर सहित तीन सौ लोग हिरासत में

भटनागर का आरोप है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना, मझगांव डैम, रुंझ, नैगुवां और एनटीपीसी से जुड़ी विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं में अधिकारियों और दलालों की मिलीभगत से 400 करोड़ रुपये से अधिक का बड़ा घोटाला हुआ है। फर्जी ग्राम सभाएं आयोजित कर अपात्रों को करोड़ों का मुआवजा बांट दिया गया, जबकि 50 हजार से अधिक वास्तविक पात्र विस्थापित आज भी अपने अधिकारों के लिए दर-दर भटक रहे हैं। दूसरी ओर छतरपुर और पन्ना जिला प्रशासन ने इस कार्रवाई को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी बताया है।

प्रत्येक सैन्य अभियान भविष्य के लिए नई सीखः पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे

एजेंसी, कोलकाता

राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक मजबूती को भारत के भविष्य की दो सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला बताते हुए पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने अपनी सामरिक क्षमता में उल्लेखनीय प्रगति की है लेकिन भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए रक्षा तैयारियों को लगातार और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख कर कहा कि प्रत्येक सैन्य अभियान भविष्य के लिए नई सीख देता है।

कोलकाता के फेयरफील्ड बाय मैरियट में व्याना जियो-इकोनॉमिक फोरम (वीजीईएफ) की ओर से रविवार देर शाम आयोजित उद्घाटन राष्ट्रीय सेमिनार "उभरती वैश्विक व्यवस्था में राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक लचीलापन : विकसित भारत की सामरिक प्राथमिकताएं" विषय पर देश के प्रमुख सैन्य अधिकारियों, रणनीतिक विशेषज्ञों, अर्थशास्त्रियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और पूंजी बाजार से जुड़े विशेषज्ञों ने विस्तार से विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में पूर्वी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह, ब्रिगेडियर आदित्य सहाय

कोलकाता में आयोजित सेमिनार में पूर्व सेना प्रमुख ने सैन्य आधुनिकीकरण और तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर दिया जोर

सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, पूर्व सैनिक, उद्योगपति और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

सेमिनार के समापन सत्र में जनरल मनोज पांडे ने कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, साइबर युद्ध, अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणाली और अत्याधुनिक हथियारों ने युद्ध की पूरी प्रकृति बदल दी है। ऐसे समय में केवल पारंपरिक सैन्य ताकत पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि नई तकनीकों को तेजी से अपनाना और उन्हें सैन्य अभियानों का हिस्सा बनाना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्ध बहुआयामी होंगे, जिनमें जमीन, समुद्र और वायु के साथ-साथ साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्र भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसलिए भारतीय सशस्त्र बलों को इन सभी क्षेत्रों में एकीकृत क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि सैनिकों के प्रशिक्षण, आधुनिक हथियारों की उपलब्धता, तकनीकी दक्षता और तेज निर्णय लेने की क्षमता पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि किसी भी चुनौती का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके। पूर्व सेना प्रमुख ने कहा कि आधुनिक युद्ध में तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है लेकिन एक सैनिक की सबसे बड़ी ताकत आज भी उसका अनुशासन, राष्ट्र के प्रति समर्पण, ईमानदारी, साहस और कर्तव्यनिष्ठा है।

एएचआईडीएफ ऋण स्वीकृति के नाम पर रिश्वत मांगने वाला फर्जी अधिकारी सीबीआई के हत्थे चढ़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग, कृषि भवन का अधिकारी बनकर पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (एएचआईडीएफ) के तहत ऋण स्वीकृत कराने के नाम पर रिश्वत मांगने वाले आरोपित प्रभु दयाल को उत्तर प्रदेश के आगरा जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपित स्वयं को 'ऋषि गुप्ता' बताकर ऋण आवेदकों से आवेदन स्वीकृत कराने अथवा निरस्त होने से बचाने के नाम पर वसूली करता था। सीबीआई के अनुसार, इस मामले में 29 जून को देहरादून स्थित भ्रष्टाचार निरोधक शाखा में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले की काशीपुर तहसील के लालपुर गांव का निवासी है और पोल्ट्री फार्म संचालित करता है। उसने उद्यमी मित्र (सिडबी) पोर्टल के माध्यम से एएचआईडीएफ योजना के तहत 22.50 लाख रुपये के ऋण के लिए आवेदन किया था।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि खुद को पशुपालन एवं डेयरी विभाग का अधिकारी बताने वाले व्यक्ति ने ऋण स्वीकृत कराने के एवज में ऋण राशि का दो प्रतिशत, यानी 45 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायत के सत्यापन के बाद सीबीआई ने 29 जून को जाल बिछाया। आरोपित ने शिकायतकर्ता को मोबाइल पर क्यूआर कोड भेजकर रिश्वत की पहली किस्त के रूप में पांच हजार रुपये यूपीआई के माध्यम से मंगवाए। क्यूआर कोड और बैंक खाते के आधार पर सीबीआई ने 30 जून को एक व्यक्ति को उसके घर से गिरफ्तार किया। हालांकि पूछताछ में स्पष्ट हुआ कि वह मुख्य आरोपित नहीं था।

मायावती ने संसद के मानसून सत्र के हंगामेदार होने की जताई आशंका

एजेंसी, वाराणसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने संसद के मानसून सत्र के हंगामेदार रहने की आशंका जताते हुए कहा कि राम मंदिर चढ़ावा समेत कई अहम मुद्दे सदन में उठेंगे, जिन पर पूरे देश की नजर रहेगी। उन्होंने सभी दलों से संसद का मानसून सत्र बिना किसी उत्तेजना, रोष और विद्वेष के शांतिपूर्ण एवं सुचारू ढंग से चलाने की जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है।

मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर सात पॉइंट में लंबा पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि अब जबकि संसद का मानसून सत्र कल 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। एक बार फिर यह देश व आमजन की चिन्ता है कि क्या इस बार भी फिर से संसद का सत्र हंगामा व स्थगन आदि की भेंट चढ़ जायेगा या फिर महंगाई, बेरोजगारी, महिला असुरक्षा, महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपरलीक आदि से जुड़े देश के ज्वलन्त मुद्दों से उत्पन्न माहौल को शान्त करने व इनके संतोषजनक समाधान के लिए गंभीरता दिखाई जायेगी।

मायावती ने आगे लिखा कि अयोध्या श्रीराम मन्दिर में चढ़ावा हेराफेरी व गबन आदि को लेकर व्यापक जन आक्रोश ने उप्र व देश को झकझोर कर रख दिया है। लोग जवाबदेही मांग रहे हैं, जिसकी गूंज सड़कों से लेकर अदालत तक में है और संसद में भी यह मुद्दा जरूर गर्म होगा।

काशी भारत की सनातन चेतना का शाश्वत प्रकाश, यहाँ कण-कण में शिव का वास : रेखा गुप्ता

अपने जन्मदिन पर दिल्ली की मुख्यमंत्री ने बाबा विश्वनाथ और काल भैरव के दरबार में लगाईं हाजिरी

एजेंसी, वाराणसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने जन्मदिन पर रविवार को यहां काशी पुराधिपति बाबा विश्वनाथ और काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव के दरबार में परिजनों के साथ विधिवत हाजिरी लगाईं। दो दिवसीय काशी प्रवास पर आईं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दोनों मंदिरों में विधि विधान से दर्शन पूजन के बाद दिल्ली सहित पूरे देश में सुख समृद्धि की कामना की।

काशी के दोनों मंदिरों में दर्शन पूजन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने अधिकृत सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि आज, अपने जन्मदिन पर, मुझे शाश्वत, अविनाशी और मोक्ष प्रदान करने वाली काशी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ और काशी के कोतवाल श्री काल भैरव के पवित्र चरणों में दर्शन और पूजा करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। काशी भारत की सनातन चेतना का शाश्वत प्रकाश है। यहाँ कण-कण में शिव का वास है, हर श्वास में भक्ति है और हर कदम पर आध्यात्मिकता का स्पंदन महसूस होता है। बाबा विश्वनाथ की कृपा और काल भैरव जी का संरक्षण अनादि काल से इस पवित्र भूमि और इसके भक्तों की शक्ति रहे हैं। मैं बाबा विश्वनाथ और श्री काल भैरव जी से प्रार्थना करता हूँ कि वे सभी पर अपनी असीम कृपा बनाए रखें, सबको सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली का आशीर्वाद दें, और भारत निरंतर वैभव, गौरव और नई उपलब्धियों के शिखर को छूता रहे।

इसके पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के जन्मदिन पर वाराणसी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बधाई दी है। उन्होंने अपने अधिकृत सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि "दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जन्मदिन की शुभकामनाएं। दिल्ली के विकास को बढ़ावा देने और लोगों के लिए 'जीवन को आसान बनाने' की दिशा में उनके प्रयास सराहनीय हैं। उनके लंबे जीवन और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।"

21-07-2026 T.P. Page 8_Layout 1 21-07-2026 08:41 Page 1

कपिल शर्मा शो में स्क्रिप्टिंग को लेकर कीकू शारदा का बड़ा खुलासा

कॉमेडियन कीकू शारदा पिछले 10 साल से कपिल शर्मा के साथ काम कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शो के क्रिएटिव प्रोसेस के बारे में खुलकर बात की।

उन्होंने खुलासा किया कि शो में कितना हिस्सा स्क्रिप्टेड होता है और कितना हिस्सा मौके पर बनाया जाता है। हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं बातचीत में कीकू ने कहा कि वे जानबूझकर गेस्ट्स से जोक्स और पंचलाइन छुपाते हैं, ताकि उनका रिएक्शन नैचुरल रहे। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं। हम नहीं चाहते कि गेस्ट्स को पहले से जोक्स, पंचलाइन या कैरेक्टर्स के बारे में पता हो। हम चाहते हैं कि वे पहली बार स्टेज पर इन्हें देखें, क्योंकि तभी सबसे असली रिएक्शन मिलता है। इसलिए अब सब लोग बस फ्लो के साथ चलते हैं।' कीकू ने बताया कि शो में स्क्रिप्ट तो होती है, लेकिन उसे कितना फॉलो करना है और कितना इम्प्रोवाइज करना है, ये शूटिंग के दौरान तय होता है। उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर स्क्रिप्ट होती है और हम उसे एक लिमिट तक फॉलो भी करते हैं। कई बार इसे पूरी तरह फॉलो करना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि कभी-कभी कोई सेलिब्रिटी बातचीत को एकदम अलग दिशा में ले जाता है। कभी-कभी उसी वक्त नया आइडिया आ जाता है और हम इम्प्रोवाइज कर लेते हैं। सच कहूं तो करीब 70% स्क्रिप्ट होती है और 30% पूरी तरह मौके पर होता है।' बता दें कि हाल ही में कीकू शारदा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचे थे, जहां उनके साथ चंदन प्रभाकर भी मौजूद रहे। इस एपिसोड को फैंस ने काफी पसंद किया।

कुब्रा सैत ने अपने करियर में जोड़ा एक रोमांचक अध्याय, स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में रखा कदम

अभिनेत्री, लेखिका और परफॉर्मर कुब्रा सैत ने स्टैंड-अप कॉमेडी के साथ अपने करियर में एक नया और रोमांचक अध्याय जोड़ लिया है। जी हाँ, लाइव कॉमेडी के साथ उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में न सिर्फ कदम रखा है, बल्कि अपनी पहली परफॉर्मेंस भी दी है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। गौरतलब है कि सेक्रेड गेम्स, जवानी जानेमन, फाउंडेशन और कई अन्य फिल्मों व सीरीज में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली कुब्रा सैत हमेशा से ही कहानी कहने के नए और अलग तरीकों को अपनाती रही हैं। अपनी बेस्टसेलिंग किताब ओपन बुक : नॉट क्वाइट अ मेमोयर की सफलता के बाद अब उन्होंने लाइव स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में कदम रखा है, जिसने उनकी क्रिएटिव जर्नी को एक नया आयाम दिया है। कुब्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस की कुछ झलकियां साझा करते हुए कॉमेडी स्टेज पर उतरने की खुशी जाहिर करते हुए इस नई कोशिश के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया है और उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया है, जो नए प्रयोग करने वाले कलाकारों को अपना समर्थन देने वहां पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस के अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा है, लाइव कॉमेडी की खास बात यह है कि अगर आप मजा नहीं ले रहे हैं, तो हम भी नहीं ले रहे हैं। इसलिए धन्यवाद कि आपने इस जगह को इतना शानदार और ऊर्जा से भरपूर बना दिया। इसी के साथ स्टैंड-अप कॉमेडी की अनोखी दुनिया में हर परफॉर्मेंस सीखने और खुद को बेहतर बनाने का एक नया मौका होती है, को लेकर कुब्रा ने आगे लिखा है, धन्यवाद बैकस्पेस बांद्रा, जो कॉमेडियन्स को गिरने, उड़ने, असफल होने, शानदार प्रदर्शन करने और अगले दिन फिर से उसी जुनून के साथ लौटने के लिए एक मंच देता है। स्टैंड-अप कॉमेडी एक्टिंग से बिल्कुल अलग तरह की क्रिएटिव चुनौती पेश करती है, जहां कलाकार को तुरंत सोचने, अपनी बात ईमानदारी से रखने और दर्शकों से सीधा जुड़ने की जरूरत होती है। कुब्रा का इस क्षेत्र में कदम रखना उनके नए प्रयोगों और अलग-अलग माध्यमों से कहानी कहने के जुनून को दर्शाता है। फिलहाल अपनी पहली परफॉर्मेंस को मिले प्यार और प्रोत्साहन के बाद कुब्रा ने अपनी अगली स्टैंड-अप परफॉर्मेंस का ऐलान भी कर दिया है, जिससे साफ है कि यह उनके नए सफर की सिर्फ शुरुआत है। एक अभिनेत्री, लेखिका और वक्ता के तौर पर अपनी पहचान बना चुकीं कुब्रा सैत एक बार फिर साबित कर रही हैं कि उनका सफर हमेशा जिज्ञासा, साहस और नई चुनौतियों को अपनाने की सोच से आगे बढ़ता रहा है।

हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर बोली अंजना सुखानी

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। बातचीत में अंजना ने फिल्म, इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव, फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर कई बातें साझा कीं। अंजना सुखानी ने कहा, ' 'मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है। ' फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, ' 'मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं। मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, ' 'सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और उसमें कितने कलाकार हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर अंजना ने कहा कि दोनों जगहों की कहानी कहने का तरीका अलग है। हिंदी फिल्में अक्सर पूरे देश के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, जबकि क्षेत्रीय सिनेमा अपनी भाषा और संस्कृति से ज्यादा जुड़ा होता है। भारत की यही विविधता उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है और कलाकारों को अलग-अलग भाषाओं में काम करने का मौका मिलना एक अच्छी बात है।

प्रेग्नेंसी को लेकर सामंथा ने कही दिल की बात

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु और फिल्ममेकर राज निदिमोरु जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने दिसंबर 2025 में शादी की थी और जून में अपनी प्रेग्नेंसी की खबर फैंस के साथ शेयर की थी। अब हाल ही में सामंथा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर दिल की बात कही है।

मां बनने को लेकर बोलीं सामंथा?

इंटरव्यू में सामंथा ने कहा कि उनके लिए ये समय बिल्कुल नया और बहुत खास है। उन्होंने कहा, 'ये सब मेरे लिए नया और एक्साइटिंग है। लेकिन मैं इस पल का काफी समय से इंतजार कर रही थी। मैं हमेशा से मां बनना चाहती थी, और अब मैं इसमें अपना पूरा दिल लगा दूंगी।' सामंथा ने बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें अपने अंदर एक अलग तरह की ताकत और उद्देश्य महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से अपनी जिंदगी को लेकर पैशनेट रही हूं, लेकिन अब मुझे एक नई ताकत और मकसद महसूस होता है। मैं इस सफर को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं और हर दिन कुछ नया सीख रही हूं।'

अक्षय की फिल्म में मोटी होने के कारण मिला रोल

अभिनेत्री अंजलि आनंद इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'धमाल 4' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे फिल्मों में प्लस-साइज एक्टर्स को अक्सर सिर्फ कॉमेडी करने या स्टीरियोटाइप को दिखाने के लिए कास्ट किया जाता है। बातचीत में अंजलि आनंद ने अक्षय कुमार की फिल्म को लेकर कहा कि मैं 'बेल बॉटम' में सिर्फ इसलिए थी ताकि एक टेररिस्ट मुझ पर गिर सके और फिल्म में पकड़ा जा सके। मुझे ऐसे रोल इसलिए मिलते हैं क्योंकि मैं मोटी हूं। जब लोग सिर्फ इसका मजाक उड़ाने की कोशिश करते हैं तो बुरा लगता है। वे यह भी नहीं देखते कि मैं अच्छी एक्टर हूं या नहीं। वे बस मेरे शरीर को देखकर मुझे जज करते हैं। उनके हिसाब से मैं तय मानकों पर खरी नहीं उतरती, लेकिन उनके लिए तो दीपिका पादुकोण और ऐश्वर्या राय भी काफी नहीं हैं। शाहरुख खान और अमिताभ बच्चन को भी आलोचना का सामना करना पड़ा है।

23 जुलाई को रिलीज होगी 'जन नायकन' थलापति विजय ने शेयर किया पोस्टर

साउथ अभिनेता थलापति विजय की आगामी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज का इंतजार अब खत्म हुआ। फिल्म निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया पर विजय की फिल्म 'जन नायकन' का एक खास पोस्टर साझा किया और साथ ही रिलीज डेट से पर्दा भी उठाया।

आज 'जन नायकन' के निर्माताओं ने विजय की फिल्म की रिलीज की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खुशखबरी से विजय के फैंस बेहद खुश हैं और साथ ही फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं। पहले यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज होनी थी, लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनावों और सीबीएफसी से सर्टिफिकेट ना मिलने के चलते इसकी रिलीज डेट टलती गई। बहरहाल, अब विजय तमिलनाडू के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। अब उनकी यह फिल्म 23 जुलाई को सिनोमाघरों में रिलीज होगी।फल्म 'जन नायकन' के निर्माताओं ने आखिरकार इसकी रिलीज डेट की घोषणा के साथ एक खास पोस्टर भी साझा किया है। इस पोस्टर में विजय पुलिस वर्दी में स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर में विजय के हाथ में एक पुलिसकर्मी की तरह बंदूक नहीं बल्कि तलवार नजर आ रही है, जो हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। 'जन नायकन' में थलापति विजय, पूजा हेगड़े, बॉबी देओल और ममिता बैजू मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। यह अभिनेता के रूप में थलपाति विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है।

वीर को एक्टर बनने से मना किया था

राजकुमार हिरानी हिंदी सिनेमा जगत में सबसे मंझे हुए, सबसे दिलचस्प और दमदार फिल्ममेकर्स में से हैं। बॉलीवुड को 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'लगे रहो मुन्ना भाई', '3 इडियट्स' और 'संजू' जैसी यादगार ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले राजू हिरानी भी अब वक्त के साथ कदमताल कर रहे हैं। उन्होंने पहली बार बतौर प्रोड्यूसर ओटीटी का रुख किया है और वेब सीरीज 'प्रीतम और पेड्रो' लेकर आए हैं। अरशद वारसी के साथ इस सीरीज में राजू के उनके बेटे वीर हिरानी ने भी एक्टिंग में कदम रखा है। हालांकि, राजू हिरानी दो टूक शब्दों में कहते हैं कि उन्होंने बेटे वीर को एक्टर बनने से मना किया था।

वीर के एक्टिंग की ओर रुझान का वाकया याद करते हुए राजू हिरानी बताते हैं, 'मुझे जब पता चला कि वीर एक्टिंग करना चाहते हैं तो मैंने कहा कि मत करो। मुझे लगता था कि उसे फिल्म बनाना अच्छे से आता है। वो बचपन से शॉर्ट फिल्म बनाता था, तो मैंने कहा कि तुम अच्छी फिल्म बनाते हो, ये क्यों करना चाहते हो? इस पर उसने कहा कि आपने '3 इडियट्स' बनाई थी। उसमें कहा था कि 'जो दिल को अच्छा लगे वो करो', तब मैं फंस गया और मैंने कहा कि ठीक है तुम्हें करना है तो पहले एक्टिंग सीखो।'

हिरानी आगे बताते हैं कि बेटे वीर हिरानी ने उनकी बात पर अमल किया। तीन साल ड्रामा स्कूल में पढ़ाई की। फिर फिरोज खान के साथ नाटक किया, उसके बाद ही यह सीरीज की। अपने शो का 'प्रीतम' घर में ही मिलने की बात पर डायरेक्टर ने कहा, 'प्रीतम घर में ही थे, मगर हमें नजर नहीं आ रहे थे। हम ये सीरीज बना रहे थे, मगर वीर दिमाग में नहीं थे। कास्टिंग चल रही थी तो वीर ने मेरे ऑफिस में जो साहिल हैं, उनको बोला कि मैं यहां बैठा हूं, मेरी तरफ किसी का ध्यान नहीं है। मेरे दिमाग में था कि वो फिल्म करना चाहता है। फिल्मों के लिए उसकी बातचीत भी चल रही थी। मैं भी कोई स्क्रिप्ट ढूंढ़ रहा था। मुझे नहीं लगा था कि वो वेब सीरीज करेगा पर उसने कहा कि मुझे कोई हिचक नहीं है।

कॉमेडी में हद पता होनी चाहिए

राजू हिरानी की फिल्मों में ह्यूमर की एक खास जगह रही है। साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करती 'प्रीतम एंड पेड्रो' भी इसी कड़ी में शामिल है। लेकिन आज कॉमेडी को लेकर काफी आपत्तियां सामने आ रही हैं। बकौल राजू हिरानी, 'कॉमेडी कई तरह की होती है। दूसरे के दुर्भाग्य पर हंसना भी एक तरह की कॉमेडी है, लेकिन आपको एक हद पता होनी चाहिए। अगर आपको लगता है कि ऐसा करके आप किसी को बहुत ज्यादा ठेस पहुंचा रहे हैं तो आप क्यों कर रहे हैं? मत करो न, क्योंकि आप स्वार्थी होकर किसी का फायदा उठा रहे हैं। अगर आप अपने फायदे के लिए किसी का बहुत ज्यादा मजाक उड़ाओगे तो उसे ठेस पहुंचेगी ही। मेरा मानना है कि आप बिना किसी को ठेस पहुंचाए भी कॉमेडी कर सकते हैं।'

बच्चे को एक्टिंग का जुनून है तो उसे क्यों रोकें?

बीते कुछ साल में इंडस्ट्री के बच्चों को उनके घर से ही लॉन्च किए जाने पर काफी सवाल खड़े हुए हैं। क्या वीर को लॉन्च करते वक्त राजू हिरानी के दिमाग में यह ख्याल आया था? वह जवाब देते हैं, 'ख्याल तो आता है, लेकिन अगर बच्चा एक्टिंग करना चाहे, वह उसका जुनून है तो उसको क्यों रोके? इसलिए, मैंने इसे ज्यादा अहमियत नहीं दी। अब जैसे मैं था। मेरे पिता जी कुछ और करते थे। मैं नागपुर में एक सामान्य मिडिल क्लास परिवार में जन्मा। मेरे पिता जी ऑफिस इक्विपमेंट बेचते थे, पर मेरा फिल्मों में आने का मन था तो मैंने यह किया। जैसे, मेरे फादर ने मुझे कहा कि तुम्हारा यह करने का मन है तो जाओ भाई करो। वैसे ही मैंने भी वीर को कहा।'